हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार 4 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 15.9 डिग्री
न्यूनतम 8.1 डिग्री

11 नशीली दवाओं का बढ़ता प्रचलन समाज के लिए चुनौती

12 संत कबीरदास का संदेश आज भी प्रासंगिक : गंगवा

खबर संक्षेप

हेरोइन सहित महिला गिरफ्तार, मामला दर्ज

हिसार। पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने स्वागत कॉलोनी से एक महिला को काबू कर उसके कब्जे से 10 ग्राम हेरोइन बरामद की है। उप निरीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम को गश्त के दौरान मिली सूचना के आधार पर एक महिला को काबू किया गया। पूछताछ में महिला ने अपना नाम स्वागत कॉलोनी निवासी बिमला बताया। महिला पुलिस कर्मचारी द्वारा तलाशी लेने पर बिमला के कब्जे से एक पॉलीथिन की थैली में 10 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार करके उसके खिलाफ एचटीएम थाना में केस दर्ज कर लिया।

चेक बाउंस मामले में आरोपी महिला गिरफ्तार

हांसी। जिला भर में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान सदर धाना पुलिस ने चेक बाउंस मामले में एक महिला आरोपी दिल्ली निवासी जय भगवान को गिरफ्तार किया है। महिला मुख्य सिपाही मीना ने बताया कि पकड़ी गई आरोपी महिला को अदालत द्वारा चेक बाउंस के मामले में उद्धघोषित आरोपी करार दिया हुआ था। पुलिस ने चेक बाउंस मामले में आरोपिया गिरफ्तार करके न्यायलय में पेश किया गया।

बेसहारा पशु पकड़कर गौ-अभ्यारण भेजे

हिसार। नगर निगम टीम की ओर से बेसहारा पशुओं को पकड़े जाने का अभियान लगातार जारी है। अभियान के सहायक नोडल अधिकारी सुरेन्द्र वर्मा रहे। एएसआई संदीप बिश्नोई ने बताया कि निगम की टीम ने शनिवार को सेक्टर 15, कैमरी रोड, अमरदीप कॉलोनी, मिल गेट के आस-पास के क्षेत्र से 19 बेसहारा पशुओं को पकड़ाकर गौ-अभ्यारण भेजा गया। बेसहारा पशु पकड़ने वाली टीम के साथ पुलिस विभाग की टीम भी मौजूद रही।

स्वच्छता नियम उल्लंघन पर 25 के किए चालान

हिसार। निगमायुक्त नीरज के निर्देशानुसार नगर निगम के अधिकारी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर रहे हैं। शनिवार को एएसआई विजेता, दरोगा पवन पाहवा, दरोगा शशिकांत ने राजगुरु मार्केट में दुकानदारों के द्वारा खुले में कचरा डालने पर सात के चालान किए। इसके साथ ही बाल्मीकि चौक के पास खुले में मीट बेचने पर छह के चालान किए। एएसआई कपिल ने सेक्टर 16-17 में खुले में कचरा डालने पर चार दुकानदारों के चालान किए।

अध्यापक संघ ने मनाई सावित्री बाई की जयंती

हिसार। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ जिला हिसार ने सावित्री बाई फुले का 195वां जन्म दिवस सुशीला भवन रोड स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला वरिष्ठ उप प्रधान सुमन देवी ने की व संचालन राज्य उप प्रधान अलका ने किया। इस दौरान वर्तमान में महिलाओं की समाज में स्थिति और चुनौतियां विषय पर जनवादी महिला समिति की जिला प्रधान बबली लाम्बा ने विस्तार से चर्चा की।

हवाई फायरिंग के मामले में तीन लोग गिरफ्तार

हिसार। एचटीएम थाना पुलिस ने 30 दिसंबर की रात राजीव नगर में दहशत फैलाने के उद्देश्य से की गई हवाई फायरिंग की घटना में दो नाबालिगों सहित तीन को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भारत नगर निवासी नाविक के रूप में हुई है। 30 दिसंबर की रात दो नाबालिग आरोपी अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर राजीव नगर क्षेत्र में पहुंचे और दहशत फैलाने के इरादे से हवाई फायरिंग की।

नारनौंद में उपमंडलीय न्यायिक परिसर भवन का शिलान्यास 10 को

सीजेआई सूर्यकांत के आगमन को लेकर तैयारियां तेज की

दौरे को लेकर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अलका मलिक व एसपी ने किया समारोह स्थल का दौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौंद

देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत 10 जनवरी को गांव पेटवाड़ और नारनौंद के दौरे की तैयारी को लेकर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अलका मलिक, पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन तथा एसडीएम विकास यादव ने गांव पेटवाड़ का दौरा कर प्रबंधों का जायजा लिया। पेटवाड़ गांव के स्टेडियम में मुख्य समारोह का आयोजन होगा। न्यायिक तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने दौरे के दौरान रूट प्लान, वाहन पार्किंग, शौचालय, पेयजल, निर्बाध बिजली आपूर्ति सहित अन्य तमाम व्यवस्थाओं की समीक्षा की। एसडीएम विकास यादव ने इस दौरान बताया कि भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के दौरे को लेकर तेजी से प्रबंध किए जारहे हैं। मुख्य न्यायाधीश नारनौंद में उप मंडलीय न्यायिक परिसर भवन का शिलान्यास भी करेंगे।

सीजेआई का पैतृक गांव में स्वागत के लिए पानीपत से बुलाई बीन-बांसुरी तथा ढोल नगाड़ों की टीम

नारनौंद। गांव पेटवाड़ में कार्यक्रम स्थल का दौरा करती हिसार की जिला एवं सत्र न्यायाधीश अलका मलिक व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

अधिकारियों के साथ की बैठक

दौरे की तमाम तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के उद्देश्य को लेकर एसडीएम विकास यादव ने पेटवाड़ गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की एक बैठक ली। बैठक में जिला परिषद की उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा संबंधित तमाम विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। एसडीएम ने सभी आवश्यक प्रबंध पूर्ण करने को लेकर अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित की और दायित्वों को पूरी कर्तव्य निष्ठा के साथ निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों से जुड़े विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण अधीन विकास कार्यों को तेजी से पूरा करना सुनिश्चित करें।

सुरक्षा को लेकर व्यापक प्रबंध : एसपी

पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के दौरे को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा को लेकर व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं, इसके लिए पुलिस अधिकारियों तथा कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की जा रही है।

हाईकोर्ट के 50 से अधिक न्यायाधीश आएंगे

जिला एवं सत्र न्यायाधीश अलका मलिक ने बताया कि पेटवाड़ गांव में आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के लगभग 50 से भी अधिक न्यायाधीश इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

शानदार तरीके से होगा स्वागत

ग्रामीणों ने बताया कि भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का उनके पैतृक गांव पेटवाड़ में आगमन पर शानदार स्वागत किया जाएगा। इसके लिए तमाम तैयारियां कर ली गई है। उन्होंने बताया कि मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को मुख्य मंच तक बीन-बांसुरी तथा ढोल नगाड़ों के बीच पूरे सम्मान के साथ लाया जाएगा। बीन-बांसुरी तथा ढोल नगाड़ों की टीम पानीपत से बुलाई गई है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश निशांत शर्मा, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मंगलेश चौबे, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनुदीप, न्यायाधीश अनुराधा, मास्टर ऋषिकांत, सरपंच सतबीर सिंह, मास्टर फूल कुमार तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

विवाद में आए नर्सिंग कॉलेज की कई छात्राओं ने मांगा माइग्रेशन

- नर्सिंग कॉलेज के बाहर सुरक्षा में तैनात पुलिस बल

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौंद

विवादों में आए क्षेत्र के एक नर्सिंग कॉलेज पर प्रशासन का शिकंजा कसता जा रहा है। कॉलेज की छात्राओं द्वारा कॉलेज चेयरमैन पर लगाए गंभीर आरोप के चलते उसे जेल भेजा जा चुका है। इस मामले में अब प्रशासन की तरफ से छात्राओं से कॉलेज से माइग्रेशन के आवेदन मांगे थे, जिस पर कॉलेज की आधी छात्राएं ने दूसरे कॉलेज में माइग्रेशन मांगा है। फिलहाल उनके आवेदनों को डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च विभाग पंचकूला को भेज दिए हैं। वहां से कॉलेज की छात्राओं की मेरिट बनाकर उसी के हिसाब से अन्य कॉलेजों में भेजा जाएगा। उधर, कॉलेज में कक्षाएं शुरू हो चुकी है तथा वहां पर पुलिस की तैनाती की गई है। बता दें कि क्षेत्र के एक नर्सिंग कॉलेज में छात्राओं ने कॉलेज के चेयरमैन पर उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए थे। यह मामला हरियाणा महिला आयोग तथा सीएमओ कार्यालय तक भी पहुंच गया था। छात्राओं ने उत्पीड़न के खिलाफ आंदोलन शुरू किया था और आखिरकार पुलिस को एफआईआर दर्ज कर कॉलेज चेयरमैन के गिरफ्तार करना पड़ा था। फिलहाल इस मामले में चेयरमैन को जेल भेजा जा चुका हैं।

माइग्रेशन के लिए लिस्ट विभाग को भेजी

अलग-अलग दिनों के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाई गई है उनके साथ सहयोग देने के लिए अन्य कर्मचारी भी नियुक्त किए गए हैं। कॉलेज में फिलहाल पूर्ण रूप से शांति का माहौल है और पढ़ाई सुचारु रूप से चल रही है। माइग्रेशन के लिए छात्राओं की लिस्ट बनाकर विभाग को भेज दी गई है।
-विकास यादव, एसडीएम।

अलग-अलग कोर्सों में 310 छात्राएं

उल्लेखनीय है कि कॉलेज में करीब 310 छात्राएं अलग अलग कोर्सों में दाखिला लेकर पढ़ाई कर रही थी। विवाद के बाद कॉलेज को एडमिनिस्ट्रेटर के हवाले कर दिया है। जिला उपायुक्त ने एसडीएम विकास यादव को यहां का एडमिनिस्ट्रेटर नियुक्त किया गया है। कॉलेज में फिलहाल शांति का माहौल है और पढ़ाई सुचारु रूप से हो रही है। कॉलेज की काफी छात्राओं ने मांग रखी थी कि उनका माइग्रेशन दूसरे कॉलेज में होना चाहिए। प्रशासन ने इस कड़ी में आगे बढ़ते हुए छात्राओं से दूसरी कॉलेज में जाने की फार्म भरवाएं है तो कॉलेज की आधी छात्राओं ने फॉर्म भर दिए हैं। इनको डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च विभाग पंचकूला को भेज दिए हैं। वहां से कॉलेज की छात्राओं की मेरिट बनाकर उसी के हिसाब से अन्य कॉलेजों में भेजा जाएगा। प्रशासन की तरफ से कॉलेज में सुरक्षा के लिए लिहाज से अब भी पुलिस को तैनात किया गया है। जिसमें महिला पुलिसकर्मी भी शामिल है। वही ड्यूटी मजिस्ट्रेट की नियुक्ति भी की गई है ताकि किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना ना घट जाए।

---

75 लोगों ने उठाया शिविर का लाभ

- भाविप ने नेत्र जांच व ऑपरेशन शिविर का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

भारत विकास परिषद की केशव शाखा ने सेवक सभा अस्पताल में नेत्र जांच व निशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर आयोजित किया। इस शिविर का 75 लोगों ने लाभ उठाया। अनुभवी व प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा नेत्र जांच करके उचित परामर्श दिया गया। इस दौरान 12 बुजुर्गों की आंखों में सफेद मोतियाबिंद की शिकायत मिली। भाविप केशव शाखा हिसार द्वारा सेवक सभा अस्पताल के सहयोग से समाज के जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए प्रत्येक महीने के प्रथम शनिवार को आंखों का निशुल्क जांच एवं नेत्र ऑपरेशन शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में सफेद मोतियाबिंद का ऑपरेशन शिविर केशव शाखा के सदस्य मनीष गोयल मंगालीवाला के पूर्वज स्व. भगवती देवी गोयल एवं स्व. रघुवीर सिंह गोयल की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया।

हिसार। भाविप की केशव शाखा द्वारा आयोजित नि:शुल्क शिविर में उपस्थित अतिथिगण व पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

गुजवि व दिव्यांग एकाधिकार पुनर्वास ट्रस्ट में एमओयू

- यूजीसी आरसीआई गाइडलाइंस के अनुरूप हुआ शैक्षणिक सहयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

दिव्यांगता, पुनर्वास, मानसिक स्वास्थ्य एवं कौशल विकास के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रशिक्षण को सुदृढ़ करने की दिशा में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं दिव्यांग एकाधिकार पुनर्वास ट्रस्ट के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ है।

यह एमओयू विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान, योग विज्ञान, फिजियोथेरेपी एवं नर्सिंग विभागों के साथ शैक्षणिक, प्रशिक्षण एवं व्यावहारिक सहयोग को औपचारिक स्वरूप प्रदान करता है। इस एमओयू का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को इंटर्नशिप, कौशल विकास एवं व्यावसायिक दक्षताओं में उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है।

हिसार। एमओयू का आदान-प्रदान करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई एवं दिव्यांग एकाधिकार पुनर्वास ट्रस्ट की संस्थापिका संजू वर्मा। *फोटो: हरिभूमि*

ये रहेगा सहयोग

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि एमओयू के तहत दोनों संस्थान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) एवं रिहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया (आरसीआई) द्वारा समय-समय पर जारी नवीनतम एवं उच्च स्तरीय गाइडलाइंस के अनुरूप संचालित पाठ्यक्रमों विशेषकर मनोविज्ञान, योग विज्ञान, फिजियोथेरेपी एवं नर्सिंग में आपसी अकादमिक, प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक सहयोग प्रदान करेंगी। दोनों पक्ष क्रमबद्ध, योजनाबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से नए कुशल प्रोफेशनल्स के विकास के लिए संयुक्त रूप से कार्य करेंगे।

लोगों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

- जीवन की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन जरूरी : संतोष औला

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

शहर के फव्वारा चौक पर शनिवार को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के एनएसएस वालंटियर्स ने प्रभारी संतोष औला के मार्गदर्शन में नागरिकों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करने के साथ महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। प्रभारी संतोष औला ने कहा कि जान है तो जहान है। यातायात नियमों का पालन कर स्वयं का और दूसरे लोगों का जीवन सुरक्षित रखा जा सकता है। दोपहिया वाहन चलाते वक्त हेलमेट तथा चैपहिया वाहन में सीट बेल्ट जरूर लगाएं। नशा करके या मोबाइल पर बात करते हुए वाहन कभी न चलाएं। अपने वाहन की गति को नियंत्रित रखें। धुंध एवं कोहरे में अधिकांश दुर्घटनाएं देखी जाती हैं। ऐसी स्थिति में बचाव को अपनाएं और अपनी यात्रा को सरल व सुगम तरीके से पूरी करें।

हिसार। यातायात की जानकारी देते हुए एनएसएस प्रभारी संतोष औला व वालंटियर्स।

एनएसएस का महत्व बताया

शनिवार को विद्यालय के एनएसएस कैंप का छठा दिन था जिसमें एनएसएस कोर्डिनेटर नरेन्द्र दूहन विशेष रूप से मौजूद थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन किया और स्वयंसेवकों को एनएसएस का महत्व बताया। इस मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में यातायात पुलिस से एएसआई कमल ने स्वयंसेवकों को महत्वपूर्ण जानकारी देकर लाभान्वित किया। उन्होंने यातायात नियमों, साइबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट जैसे विषयों पर जानकारी दी। इसके बाद वालंटियर्स ने शहर में स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत रैली निकाली।

गांव राजली में फुले जयंती मनाई

- सावित्रीबाई फुले पुस्तकालय में प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले को किया याद

हरिभूमि न्यूज ⏭बरवाला

गांव राजली में सावित्रीबाई फुले पुस्तकालय के प्रांगण में सावित्रीबाई फुले जयंती पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय फुले और उसकी प्रासंगिकता रहे। जिसके विषय वक्ता डॉक्टर बलजीत भ्याण रहे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बतौर समाजसेवी सुशील खरींटा हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऋषिकेश राजली और संचालन सन्नी ने किया। बाहर से आए हुए अतिथियों का सरदानंद राजली ने स्वागत किया। सावित्रीबाई फुले के जीवन पर गीत, कविता और बच्चों द्वारा पेंटिंगों की प्रस्तुति की हुई और इन्हें सम्मानित किया गया।

बरवाला। गांव राजली में सेमिनार को संबोधित करते वक्ता। *फोटो: हरिभूमि*

सावित्रीबाई फूले भवन मोहल्ला सैनियान में मनाई माता सावित्री बाई फुले की जयंती

सावित्री फुले के जीवन से प्रेरणा लेकर आपसी भाईचारे को मजबूत बनाएं

एडिशनल एडवोकेट जनरल पवन जांगड़ा रहे मुख्यातिथि

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

माता सावित्री बाई फुले सोशल वेलफेयर सोसायटी ने ज्ञान की ज्योति एवं देश की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले की 195वीं जयंती मनाई।

कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक लोग शामिल हुए। इस अवसर पर एडिशनल एडवोकेट जनरल पवन जांगड़ा ने कहा कि माता सावित्री बाई फुले नारी जाति के उत्थान में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। सामाजिक कुरीतियों सती प्रथा, विधवा विवाह, छुआछूत की पुरजोर खिलाफत की। एडिशनल एडवोकेट जनरल ने कहा कि हम सभी उनके जीवन से प्रेरणा लेकर उनके बताए मार्ग पर चलें, समाज से भेदभाव को दूर कर आपसी भाईचारे को बढ़ावा दें यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि एवं अन्य।

ये रहे उपस्थित

आयोजन में डॉ. रामकुमार सैनी, डॉ. विजय खन्ना, डॉ. दिनेश कत्याल, देवेन्द्र सैनी, रामअवतार सैनी, सुंदर किरोडीवाल, सचिव राहुल, निगम पार्षद रवि जमालपुरिया, ईश्वर सैनी, माडूराम सैनी, रवि चौहान, अनिल बालान, राकेश नंबरदार, गौरव सैनी एडवोकेट, अजीत सैनी, पूर्व पार्षद रेखा सैनी, ज्योति सैनी, एडवोकेट उषा सैनी, जयोति सैनी, संगीता, अनिता दहिया, कोमल सैनी, पूजा सैनी, नवल गोरीवान, सरोज गोरीवान, सोनिया जमालपुरिया, सरिता सैनी, एडवोकेट मुकेश सैनी, मुकेश सैनी मोनू, अनिल कुमार, मनोहर सैनी, अजय सैनी, अभय राम कटारिया व राजेश सैनी सहित अन्य भी मौजूद थे।

महात्मा महेन्द्र सिंह आर्य को मरणोपरांत दिया सावित्रीबाई फुले अवार्ड

हिसार। कन्या गुरुकुल डोभी के संस्थापक महात्मा महेन्द्र सिंह आर्य को मरणोपरांत भारत गौरव पुरस्कार सावित्रीबाई फुले अवार्ड दिया गया है। यह अवार्ड उनकी पत्नी माता भुला देवी ने ग्रहण किया। अवार्ड देने का यह कार्यक्रम मेरा युवा भारत केन्द्र हिसार एवं आजाद हिन्द युवा क्लब गांव किरतान के सहयोग से डोभी के सनराइज हाई स्कूल प्रांगण में किया गया। आजाद हिन्द युवा क्लब के प्रधान कपूर सिंह आर्य ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में महात्मा महेन्द्र सिंह आर्य ने उल्लेखनीय योगदान दिया। इस पर उन्हें यह सम्मान दिया जा रहा है। आज सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई जा रही है। उनकी स्मृति में यह पुरस्कार हर साल आजाद हिंद युवा क्लब गांव किरतान की ओर से प्रदान किया जाता है।

इस साल लार्ज-कैप पर फोकस करें व सेक्टर चयन में बरतें समझदारी

- स्मार्ट निवेशकों को 2026 के लिए निवेश के टिप हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप सबसे बेस्ट
- 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा, इसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता
- बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ सेक्टर रहेंगे

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेश के नजरिये से देखा जाए तो वर्ष 2025 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साल रहा। मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स ने जहां निवेशकों को निराश किया, वहीं लार्ज कैप फंड्स ने फायदा पहुंचाया है। अब बाजार के जानकारों का कहना है कि वर्ष 2026 के लिए निवेशकों निवेश के लिए धैर्य के साथ बेहतर रणनीति बनानी होगी, ताकि उनकी ग्रोथ बरकरार रह सके। अब 2026 में महंगाई के नियंत्रण में रहने, ब्याज दरों में संभावित कटौती और भू-राजनीतिक जोखिमों के धीरे-धीरे कम होने से बाजार के माहौल में सुधार की उम्मीद है। जानकारों ने 2026 में लार्ज-कैप शेयरों पर फोकस करने की सलाह है। हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता, बेहतर बैलेंस शीट और मजबूत अर्निंग हासिल करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पोर्टफोलियो का लगभग 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा. मिड और स्मॉल-कैप में अवसर हैं, लेकिन केवल चुनिंदा और मजबूत कंपनियों में ही निवेश करना चाहिए। बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ के सेक्टर रहेंगे। ऐसे में इन सेक्टरों पर निवेश के लिए फोकस किया जा सकता है।

यह वर्ष सावधानी के साथ अवसर वाला

नए साल की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए ज्यादा बैलेंस और उम्मीदों से भरी दिख रही है। 2025 में ग्लोबल टेंशन, हाई वैल्यूएशन और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी से टिका रहा। यह साल "सावधानी के साथ अवसर" वाला माना जा सकता है। एक ब्रोकरेज हाउस ने 2026 की इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी पर अपनी एक रिपोर्ट दी है। इसमें कहा गया है कि निवेशकों को लार्ज कैप फंड्स पर फोकस करना चाहिए, चूंकि लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता प्रदान करती हैं।

निवेश के लिए यह दी सलाह

ब्रोकरेज हाउस ने गोल्ड और सिल्वर में एलोकेशन घटाकर 5 फीसदी और डेट कैटेगरी (बॉन्ड/फिक्स्ड इनकम) में 10 फीसदी करने की सलाह दी है, ताकि स्थिरता और जोखिम संतुलन बना रहे। जैसे-जैसे वैश्विक जोखिम कम होंगे, इक्विटी की ओर झुकाव बढ़ेगा। निवेशक 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखें। इसके अलावा गोल्ड, सिल्वर में 5% और डेट कैटेगरी में 10% निवेश की सलाह दी जाती है। इससे आपका पोर्टफोलियो बैलेंस रहेगा और निवेश में मुनाफा होगा, नुकसान नहीं।

इन सेक्टर पर करें फोकस

सेक्टर लेवल पर, बैंकिंग और फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी 2026 के प्रमुख ग्रोथ सेक्टर माने गए हैं। ब्याज दरों में कटौती से बैंकों को क्रेडिट ग्रोथ का फायदा मिलेगा, जबकि सरकारी कैपेक्स और निजी निवेश में सुधार से इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को सपोर्ट मिलेगा। टैक्स राहत, कम महंगाई और 8वें वेतन आयोग जैसी उम्मीदों से उपभोक्ता खर्च बढ़ने की संभावना है।

टिकाऊ ग्रोथ वाला साल

कुल मिलाकर, 2026 को "धीरे लेकिन टिकाऊ ग्रोथ" का साल माना जा रहा है। निफ्टी-50 के लिए दिसंबर 2026 तक लगभग 29,150 का लक्ष्य रखा गया है, जो करीब 12% सालाना रिटर्न का संकेत देता है। हालांकि हाई वैल्यूएशन, विदेशी निवेशकों की वापसी में देरी और वैश्विक घटनाक्रम जोखिम बने रहेंगे। इसलिए 2026 की सबसे अच्छी निवेश रणनीति होगी-लार्ज-कैप पर फोकस, सेक्टर चयन में समझदारी, और डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो के साथ धैर्य।

क्या हैं लार्जकैप फंड्स

लार्ज-कैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं, जिनकी मार्केट कैपिटलाइजेशन 20,000 करोड़ रुपये से अधिक होती है। ये फंड्स स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाने जाते हैं, जो उन्हें लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

टॉप लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड्स

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 27% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%
- इन्वेस्को इंडिया लार्जकैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 22% और 10-वर्षीय रिटर्न 15%
- टाटा लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 21% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%

लार्ज-कैप फंड्स के फायदे

- स्थिरता और कम जोखिम
- लंबी अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त
- अनुभवी फंड मैनेजर्स द्वारा प्रबंधित
- विविध पोर्टफोलियो

बिना बिल घर में रख सकते हैं कितना सोना, समझ लें नियम

- शादी, विरासत और गिफ्ट में मिले गोल्ड पर ऐसे है टैक्स के नियम
- अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत बताए

जानकारी
बिजनेस डेस्क

भारत में शादी ब्याह का सीजन चल रहा है। इसका मतलब है कई पारिवारिक कार्यक्रम और साथ ही घरों में लॉकर से सोना निकालकर दुल्हन के गहनों में शामिल किया जाना। आम धारणा के उलट, भारत में किसी व्यक्ति या परिवार के पास सोने की मात्रा पर कोई कानूनी सीमा नहीं है। शर्त सिर्फ यह है कि सोना खरीदने या पाने का स्रोत बताया जा सके। ज्यादातर लोग जिन सीमाओं का जिक्र करते हैं, वे सीबीडीटी (सीबीडीटी) की नॉन-सीजर गाइडलाइंस से जुड़ी हैं। ये गाइडलाइंस आयकर विभाग की तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान लागू होते हैं। ये सोना रखने की सीमा नहीं हैं, बल्कि वह मात्रा है, जिनके भीतर होने पर, दस्तावेज न होने की स्थिति में भी आमतौर पर गहने जब्त नहीं किए जाते।

ये बातें नजरअंदाज न करें

ये लचीले नियम सिर्फ व्यक्तिगत और घरेलू इस्तेमाल के गहनों पर लागू होते हैं, न कि इन मामलों में निवेश के तौर पर जमा किया गया सोना, बड़ी मात्रा में रखे गए बुलियन, सिक्के या सोने की ईंटें, बिना वित्तीय स्रोत बताए ट्रेडिंग या सट्टे के लिए जमा किया गया सोना अगर सोने की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है और उसका स्रोत नहीं बताया जा सकता, तो अतिरिक्त सोना अघोषित निवेश माना जा सकता है। ऐसे में भारी टैक्स और जुर्माना लगाया जा सकता है।

फाइनेंशियल एक्सपर्ट के अनुसार आज के समय में इसका मतलब रुपये के लिहाज से क्या होता है। एक सामान्य परिवार, जिसमें पति, पत्नी और एक अविवाहित बेटी शामिल हों, उसके लिए कानूनी रूप से स्वीकार्य सोने की मात्रा इस प्रकार है। पत्नी 500 ग्राम, पति 100 ग्राम, बेटी 250 ग्राम। इस तरह कुल सोना 850 ग्राम होता है।

कितना सोना रखना कानूनी रूप से सही

अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत समझा सकता है, तो उन्हें रखने पर कोई पाबंदी नहीं है। इसमें विरासत में मिला सोना भी शामिल है। हालांकि, एक तय मात्रा तक सोना रखने के लिए स्रोत बताने की जरूरत नहीं होती।" विवाहित महिला 500 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है, अविवाहित महिला 250 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है। वहीं, पुरुष 100 ग्राम तक सोने के गहने रख सकते हैं। हिंदू अविभाजित परिवार सोने की मात्रा का आकलन परिवार की आय और सामाजिक स्थिति के आधार पर किया जाता है, इसके लिए कोई तय सीमा नहीं है। ये सीमाएं भारतीय सामाजिक परंपराओं- जैसे शादी, विरासत और पारिवारिक उपहार- को ध्यान में रखकर तय की गई हैं और इन्हें घरों में रखे जाने वाले सोने की उचित मात्रा माना जाता है। ये तय सीमाएं केवल उसी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों पर लागू होती हैं, जिसके खिलाफ आयकर विभाग की तलाशी (टैक्स सर्च) की कार्रवाई की जाती है। यदि तलाशी के दौरान परिवार के सदस्यों के अलावा किसी और के आभूषण पाए जाते हैं, तो उन्हें कर अधिकारियों द्वारा जब्त किया जा सकता है।

यह स्पष्टता क्यों जरूरी

यह अंतर परिवारों के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इससे टैक्स सर्च के दौरान बेवजह की घबराहट से बचाव होता है। भारतीय संस्कृति और परंपरा में गहनों के महत्व को मान्यता मिलती है। वैध घरेलू संपत्ति और अघोषित आय के बीच साफ फर्क किया जा सकता है। गलत जानकारी के कारण होने वाली महंगी कानूनी या अनुपालन संबंधी गलतियों से बचाव होता है। अधिकांश गलतियां दो छोरों पर होती हैं या तो लोग मान लेते हैं कि बिना बिल का कोई भी सोना अवैध है, या फिर बड़ी मात्रा में रखे गए, बिना स्रोत बताए गए सोने के लिए जरूरी दस्तावेजों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं। यदि कोई व्यक्ति वर्षों में घोषित आय से खरीदे गए सोने का स्रोत साबित कर सकता है, तो वह कितनी भी मात्रा में सोना रख सकता है। इसी तरह, उपहार या विरासत में मिले सोने के मामले में भी संबंधित बिल, वसीयत, डीड या अन्य दस्तावेज होने चाहिए।

चांदी में 2026 में भी बड़ी संभानाएं लेकिन संभलकर करना होगा निवेश

- बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश हो सकता है रिस्की
- अगले 1-2 साल में 90—100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव
- एमसीएक्स पर डेढ़ माह में चांदी करीब 50% तक उछली

सुझाव
बिजनेस डेस्क

पिछले डेढ़ महीने में चांदी ने जो रफ्तार दिखाई है, उसने निवेशकों को चौंका दिया है। इस दौरान एमसीएक्स पर चांदी करीब 50% तक उछल चुकी है और अब सवाल यही है कि क्या यह सिर्फ एक तेज रैली है या इसके पीछे कोई गहरी वजह छिपी है? हकीकत यह है कि यह उछाल अफवाहों या सट्टेबाजी का नतीजा नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर चांदी की भूमिका में आए बड़े बदलाव का संकेत है। फिलहाल इस सुपर रैली के बाद निवेशकों को चांदी में क्या करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि चांदी 2026 में भी निवेशकों की चांदी करवाएगी, लेकिन इसके लिए लोगों को संभलकर निवेश करना होगा और रणनीति बनानी होगी, ताकि बाद में पछताना न पड़े। सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी की भूमिका वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90—100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है। यह निवेशकों को मालामाल कर सकती है।

चांदी की भूमिका में बड़ा बदलाव

जानकारों का कहना है कि कई सालों तक चांदी को या तो गहनों के लिस मेटल माना गया या फिर ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला मेटल, लेकिन अब यह सोच बदल चुकी है। आज चांदी रणनीतिक इंडस्ट्रियल मेटल बन चुकी है। रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिफिकेशन, डिजिटल इकॉनमी और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों ने चांदी को उत्पादन के लिए अनिवार्य बना दिया है। यही वजह है कि इसकी मांग अब अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी बनती जा रही है।

इंडस्ट्रियल डिमांड क्यों है मजबूत

चांदी की सबसे बड़ी ताकत है इसकी बेहतरीन इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी, जो इसे सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, पावर ग्रिड और डिफेंस सिस्टम्स में बेहद जरूरी बनाती है। इन क्षेत्रों में कीमत से ज्यादा भरोसे और प्रदर्शन को अहमियत दी जाती है। इसका मतलब यह है कि दाम बढ़ने के बावजूद कंपनियां चांदी खरीदना बंद नहीं कर सकतीं। इसी वजह से चांदी की मांग अब प्राइस इनेलास्टिक हो गई है और गिरावट पर तुरंत सपोर्ट देखने को मिलता है।

ये रैली, पिछली रैलियों से क्यों अलग

लंबे समय तक चांदी की कीमतें फ्यूचर्स और पेपर ट्रेडिंग से तय होती रहीं, लेकिन जैसे ही ग्लोबल स्तर पर दाम संवेदनशील स्तरों तक पहुंचे, फिजिकल उपलब्धता का सवाल खड़ा हो गया। सप्लाई टाइट हुई, सेलर्स पीछे हटे और खरीदार मजबूर होकर ऊंचे दाम पर खरीदने लगे. नतीजा तेज सिंगल-डे मूव्स और लगातार ऊंची क्लोजिंग, जो यह दिखाते हैं कि बाजार अब राय नहीं, बल्कि हकीकत के आधार पर कीमत तय कर रहा है। आगे चलकर चांदी में संभावनाएं बनी हुई हैं। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की कमी बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90-100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है, लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि चांदी बेहद अस्थिर (वोलेटाइल) कमोडिटी है। 1980 और 2011 की तरह तेज रैली के बाद गहरी गिरावट भी आ सकती है। लंबे समय में 40 डॉलर प्रति औंस एक अहम सपोर्ट जोन माना जाता है। इसलिए चांदी में निवेश मौका जरूर है, लेकिन बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश रिस्की हो सकता है।

चांदी में निवेश के विकल्प

- **फिजिकल चांदी :** आप बाजार से चांदी के सिक्के, गहने या बार खरीद सकते हैं। इसमें चोरी या शुद्धता की चिंता रहती है, इसलिए बीआईएस हॉलमार्क्ड चांदी ही खरीदना चाहिए।
- **सिल्वर ईटीएफ :** ये एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों पर आधारित है। इसमें पैसा चांदी की कीमत के हिसाब से बढ़ता-घटता है। ये स्टॉक एक्सचेंज पर शेयरों की तरह ट्रेड होते हैं।
- **म्यूचुअल फंड्स :** चांदी से जुड़े म्यूचुअल फंड्स भी अच्छे विकल्प हैं। कमोडिटी फंड, खनन कंपनियों के शेयर और एमसीएक्स फ्यूचर्स-ऑप्शन्स भी विकल्प हैं।
- सोवरिन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की तरह सिल्वर बॉन्ड : सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं, जो चांदी की कीमतों से जुड़े होते हैं।
- **चांदी के शेयर :** चांदी की खनन करने वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश कर सकते हैं, जैसे कि फर्स्ट मैजेस्टिक सिल्वर कॉर्प, पैन अमेरिकन सिल्वर कॉर्प और एंडेवर सिल्वर कॉर्प।

अलर्ट हर व्यक्ति कमाई को सही तरीके से निवेश कर बन सकता है मजबूत

मनी मैनेजमेंट के टिप्स अपनाएं जेब कभी भी नहीं होगी खाली, सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें

बचत करने के लिए स्पष्ट योजना बनाएं और भविष्य को सुरक्षित करें

समझदारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में बहुत से लोग अच्छी कमाई करते हैं, लेकिन हर महीने यह महसूस करते हैं कि पैसा जैसे जेब से गायब हो जाता है। उनके पास कोई स्पष्ट योजना नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है और आखिर बचत कैसे करनी चाहिए। यह समस्या आज के समय में लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई लोग सही तरीके से पैसे को मैनेज नहीं करते, जिसकी वजह से ठीक-ठाक कमाई होने के बावजूद आर्थिक तनाव बना रहता है। अधिकतर लोगों में यही गलती रहती है कि वो कमाते तो ठीक-ठाक हैं, लेकिन पैसों को संभालने का कोई सिस्टम नहीं बनाते। इससे हर महीने के अंत में पैसे के मामले में निराशा होती है। अगर सही मनी मैनेजमेंट टिप्स अपनाए जाएं, तो कमाई को सही दिशा में लगाया जा सकता है और खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको सही मनी मैनेजमेंट के गुर सिखाएंगे।

खर्च करने से पहले बचत को ऑटोमैटिक बनाएं

पहला और सबसे महत्वपूर्ण सुझाव है कि सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें। ज्यादातर लोग महीने का पूरा बजट बनाने के बजाय जितना बचेगा उतना बचत में डालते हैं, लेकिन यह तरीका अक्सर काम नहीं करता।

उनका सुझाव है कि महीने के पहले दिन ही अपने अकाउंट से एक तय रकम ऑटोमैटिक ट्रांसफर करें। यह रकम बचत खाते या निवेश खाते में जा सकती है। इससे न सिर्फ बचत हो जाएगी, बल्कि मन में पैसों को लेकर तनाव भी कम होगा। ऑटोमैटिक बचत करने वाले लोग महीने के अंत में पैसे के मामले में ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं और बड़े खर्चों के लिए भी तैयार रहते हैं।

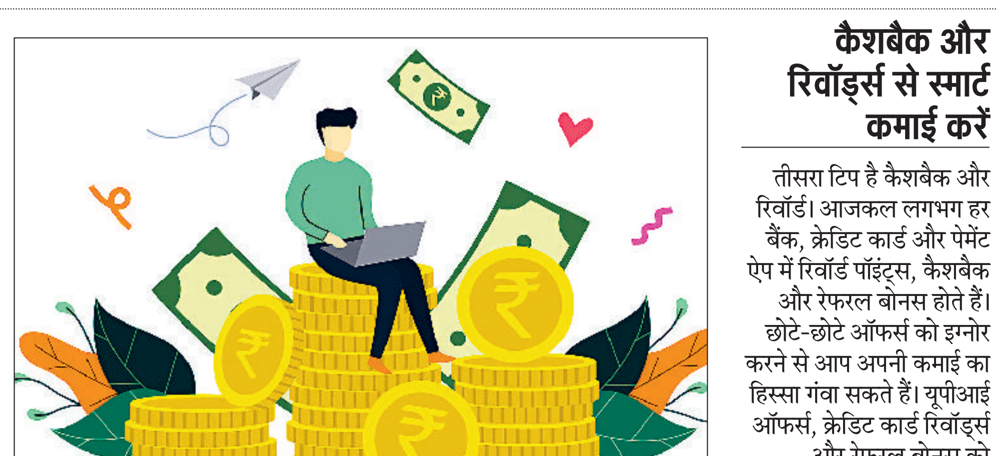

हर खर्च को ऐप में ट्रैक करें

दूसरा टिप है बजटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करना। कई लोग खर्च सिर्फ याददाश्त या नोटबुक पर रखते हैं, लेकिन इस तरह उनका सही हिसाब नहीं बन पाता। बजटिंग ऐप्स के माध्यम से हर छोटा-बड़ा खर्च रिकॉर्ड करें। जब लोग हर खर्च को ऐप में नोट करते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि पैसा वास्तव में कहां जा रहा है। छोटे-छोटे खर्च जैसे कैफे में कॉफी, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन या अनावश्यक शॉपिंग मिलकर बड़ी रकम बनाते हैं।" ऐप्स आपको खर्च के हिसाब से रिपोर्ट भी देते हैं, जिससे पता चलता है कि किस जगह से बचत की जा सकती है।

कैशबैक और रिवॉर्ड्स से स्मार्ट कमाई करें

तीसरा टिप है कैशबैक और रिवॉर्ड। आजकल लगभग हर बैंक, क्रेडिट कार्ड और पेमेंट ऐप में रिवॉर्ड पॉइंट्स, कैशबैक और रेफरल बोनस होते हैं। छोटे-छोटे ऑफर्स को इग्नोर करने से आप अपनी कमाई का हिस्सा गंवा सकते हैं। यूपीआई ऑफर्स, क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड्स और रेफरल बोनस को जोड़कर देखें, तो सालाना लाखों रुपये तक की बचत या स्मार्ट रिटर्न संभव है। यह तकनीक केवल उन लोगों के लिए नहीं है जो बड़ी कमाई करते हैं, बल्कि छोटे खर्च वाले लोग भी इसका फायदा उठा सकते हैं।

दोस्तों के साथ खर्च बांटें, बोझ न लें

कई बार लोग पूरी बिलिंग खुद उठाते हैं, चाहे वह डिनर हो, मूवी टिकट हों या ट्रिप का खर्च। चौथा टिप है कि खर्च को आपस में शेयर करें। आजकल कई ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ऐसे हैं जो दोस्तों के साथ खर्च बांटना आसान बनाते हैं। जब आप खर्च शेयर करते हैं, तो न केवल आपकी जेब पर बोझ कम होता है, बल्कि पैसे के इस्तेमाल का हिसाब भी साफ रहता है। इससे अनावश्यक उधारी लेने की जरूरत भी नहीं पड़ती।"

पैसे के लिए सिस्टम बनाएं, तनाव खुद कम होगा

छठा और अंतिम टिप यह है कि पैसे के लिए सिस्टम बनाएं। जब हर महीने का खर्च, बचत और निवेश तय सिस्टम के अनुसार होता है, तो मानसिक तनाव अपने आप कम हो जाता है। कई लोग पैसों के मामले में तनाव में रहते हैं, लेकिन जब एक साधारण सिस्टम अपनाया जाता है, जैसे ऑटो सेविंग, खर्च ट्रैक करना और निवेश करना, तो चिंता अपने आप कम हो जाती है। यह तरीका मानसिक शांति के साथ-साथ आर्थिक मजबूती भी देता है।

छोटी बचत को लंबी निवेश आदत बनाएं

पांचवां टिप है एसआईपी या लंबी अवधि के निवेश में छोटी बचत को बदलना। अक्सर लोग सोचते हैं कि सिर्फ बड़ी रकम का निवेश करना ही फायदा देगा, लेकिन बाजार के जानकारों का कहना है कि छोटी रकम भी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएट कर सकती है। वो कहते हैं सिर्फ 500 रुपये महीना भी एसआईपी में निवेश करके 10-15 साल में अच्छी राशि जमा की जा सकती है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आदत बन जाती है और नियमित निवेश से वित्तीय सुरक्षा मिलती है।

खबर संक्षेप

ब्रह्मानंद महाराज का जन्मोत्सव 14 को

हिसार। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीश्री 1008 श्री गुरु ब्रह्मानंद महाराज का जन्मोत्सव 14 जनवरी को बड़े हर्षोल्लास के साथ कैमरी रोड स्थित ज्ञानदीप सेवार्थ आश्रम मनाया जाएगा। आश्रम के गद्दीनशीन स्वामी श्री श्री 1008 श्री राजेश्वरानंद महाराज ने जन्मोत्सव को लेकर आश्रम में होने वाले कार्यक्रम के बारे में बताया कि 13 जनवरी को सायं 6 बजे से 7 बजे लोहड़ी का उत्सव मनाया जाएगा। 14 जनवरी को प्रातः 9:30 बजे विद्वान ब्राह्मणों द्वारा हवन यज्ञ किया जाएगा। उसके उपरांत देशी घी का विशाल भंडारा लगाया जाएगा व समस्त साधु समाज को गर्म कंबल का वितरण होगा।

दिव्य श्री रामकथा अमृतधारा का आयोजन कल से

हिसार। श्री बांके बिहारी सुंदरकांड चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में दिव्य श्री राम कथा अमृतधारा का आयोजन 5 से 13 जनवरी तक नागोरी गेट स्थित श्री सनातन धर्म हनुमान मंदिर में होगा। कार्यक्रम के तहत 5 जनवरी को दोपहर 1 बजे मंदिर प्रांगण से भव्य कलश के साथ कथा कार्यक्रम का शुभारंभ होगा, जो कि लक्ष्मीनारायण मंदिर से चलकर श्री सनातन धर्म हनुमान मंदिर नागोरी गेट तक जाएगी। 5 से 13 जनवरी तक श्री राम कथा प्रतिदिन सायं 3:30 से 6:30 बजे तक मंदिर में होगी। 14 जनवरी को दपोहर 1 बजे भंडारा लगाया जाएगा।

श्याम मंदिर में अखंड ज्योत पाठ आज

हिसार। श्री श्याम मंदिर सेक्टर 16-17 में 4 जनवरी को अखंड ज्योत पाठ का आयोजन किया गया है । मंदिर स्थापना से प्रत्येक नव वर्ष में प्रथम रविवार को इस पाठ किया जाता है जिसमें भक्तजन प्रभु श्री श्याम कथा स्तुति करते हुए अपने परिवार के लिए मंगलकामना करते है। मंदिर कमेटी के प्रधान दिनेश बिंदल एवं उपप्रधान त्रिलोक बंसल ने बताया कि सुबह 11:15 बजे से सांय 6:15 बजे तक होने वाले इस अंखड पाठ अनुष्ठान में शामिल होने वाले भक्तजन स्नान कर,शुद्ध स्वच्छ एवं मर्यादित वस्त्र पहन कर ही पाठ में शामिल हों। श्याम प्रेमी अपनी मनोकामना का एक नारियल मोली बांधकर एवं प्रसाद भोज श्री श्याम प्रभु के चरणों मे अर्पित करें।

एडीआर सेंटर में जागरूकता कार्यशाला आयोजित

नशीली दवाओं का बढ़ता प्रचलन समाज के लिए गंभीर चुनौती

नशा मुक्त समाज की दिशा में डीएलएसए हिसार की पहल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हिसार। नशा उन्मूलन और समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ लेते हुए अधिकारी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), हिसार द्वारा "नशीली दवाओं को ना कहें" विषय पर एडीआर सेंटर के सभागार में एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा डीएलएसए के चेयरमैन के मार्गदर्शन में तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) एवं डीएलएसए के सचिव अशोक कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

कार्यशाला का उद्देश्य समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति के प्रति जागरूकता फैलाना और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए प्रभावी कदम उठाना रहा।

कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, डीएलएसए के पैनल अधिवक्ताओं, अधिकार मित्रों, एलएडीसीएस (लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम) के सदस्यों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए सीजेएम एवं डीएलएसए सचिव अशोक कुमार ने कहा कि नशीली दवाओं का बढ़ता प्रचलन समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी बाधा उत्पन्न करता है।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों और पैनल अधिवक्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में नशा विरोधी अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने की अपील की।

एनडीपीएस एक्ट की विस्तृत जानकारी दी

इस अवसर पर एलएडीसी के चीफ जोगमणि शर्मा ने एनडीपीएस एक्ट की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला के अंत में डीएलएसए स्टाफ, एलएडीसी सदस्य, पुलिस अधिकारी, पैनल अधिवक्ता एवं अधिकार मित्रों ने नशा उन्मूलन और समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ ली। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ, सुरक्षित और प्रगतिशील समाज के निर्माण के संदेश के साथ किया गया।

अपने लक्ष्य निर्धारित करके आगे बढ़ने का प्रयास करें विद्यार्थी: प्राचार्या

- बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल में विदाई समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हांसी

हांसी। मिस्टर फेयरवेल वंशदेव व मिस फेयरवेल खुशी के साथ स्कूल प्राचार्या लवली चावला व अन्य। फोटो :हरिभूमि

बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल के बाबा अजय सिंह सभागार में शनिवार को ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यार्थियों ने अपने सभी सीनियर्स का तिलक लगाकर अभिनंदन किया। तथा अपने सीनियर्स के मनोरंजन के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा अपने सीनियर विद्यार्थियों के प्रति प्रेम पूर्वक भावनाएं दर्शाते हुए उन्हें टाइटल व उपहार भेट किये तथा अनेक तरह के व्यंजनों का प्रबंध किया। वहीं बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने विद्यालय के अध्यापकों को टाइटल देकर उनके प्रति आदर व सम्मान दिखाया। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्या लवली चावला व शैक्षणिक कोऑर्डिनेटर पवन रावल ने वंशदेव का मिस्टर फेयरवेल व खुशी का मिस फेयरवेल का चयन किया। प्रधानाचार्या ने विद्यार्थियों को विद्यार्थी जीवन का महत्व बताते हुए कहा कि उन्हें अपने लक्ष्य निर्धारित करके आगे बढते रहने का प्रयत्न करना चाहिए।

होली चाइल्ड स्कूल के विद्यार्थी छाए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

- सीबीएसई द्वारा आयोजित आर्यभट्ट गणित चैलेंज में शानदार प्रदर्शन

हिसार। शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी।

सीबीएसई द्वारा आयोजित आर्यभट्ट गणित चैलेंज में होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल के तीन विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के द्वितीय चरण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात प्रत्येक सीबीएसई जोन से शीर्ष सौ विद्यार्थियों की सूची जारी करते हुए मेरिट प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जिनमें सीबीएसई पंचकूला जोन से होली चाइल्ड स्कूल के तीन विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया जो संख्या के लिहाज़ से हिसार में ओपी जिंदल मॉडर्न स्कूल और आर्मी स्कूल के साथ संयुक्त रूप से सर्वाधिक रहा। उल्लेखनीय है कि पंचकूला जोन में हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के हिस्से शामिल हैं और सीबीएसई ने इस जोन से 100 की बजाय केवल 54 विद्यार्थियों का नाम मेरिट सूची में रखा है। इस चैलेंज में होली चाइल्ड स्कूल के कक्षा दस के संयम ने 31वां स्थान, सुजल यादव ने 32वां स्थान तथा कक्षा नौ के हरिओम ने 40वां स्थान प्राप्त कर विद्यालय और हिसार का नाम गौरवान्वित किया।

किसी भी गांव में विकास कार्यों की नहीं रहने दी जाएगी कमी: भयाना

- ढाणी मेहंदा में स्वतंत्र जलघर व मेहंदा गांव में बूस्टिंग स्टेशन का विधायक ने किया उद्घाटन
- दोनों परियोजनाओं पर आई 4 करोड़ 90 लाख रुपये की लागत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हांसी

हांसी। मेहंदा गांव में बने जलघर का उद्घाटन करते विधायक विनोद भयाना व अन्य।

विधायक विनोद भयाना ने शनिवार को गांव ढाणी मेहंदा में स्वतंत्र जलघर तथा मेहंदा गांव में बूस्टिंग स्टेशन का विधिवत उद्घाटन किया। इन दोनों विकास परियोजनाओं के शुरू होने से ढाणी मेहंदा व मेहंदा गांव के लगभग 8000 लोगों को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध होगा। दोनों परियोजनाओं को 4 करोड़ 90 लाख रुपये की लागत से तैयार किया गया है। ढाणी मेहंदा गांव में बनाए गए जलघर में एसएस टैंक, आधुनिक फिल्ट्रेशन सिस्टम, वाटर सप्लाई कनेक्शन तथा 25 किलोवाट क्षमता का ट्रांसफार्मर सहित कई अत्याधुनिक व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे ग्रामीणों को निर्बाध व गुणवत्तापूर्ण पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। वहीं मेहंदा गांव में स्थापित बूस्टिंग स्टेशन से जल आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। विधायक विनोद भयाना ने कहा कि क्षेत्र के किसी भी गांव में विकास कार्यों की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में पेरेंट्स-टीचर मीटिंग

- विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक व अभिभावक दोनों का सहयोग अत्यंत आवश्यक : आनंद यादव

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हांसी

हांसी। पेरेंट्स-टीचर मीटिंग को संबोधित करते आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस के चेयरमैन आनंद यादव। फोटो : हरिभूमि

मिलकपुर स्थित आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में शनिवार को पेरेंट्स-टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की समीक्षा करना, आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी पर चर्चा करना तथा अभिभावकों के साथ विद्यालय से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों का आदान-प्रदान करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती पूजन के साथ किया गया।

इस अवसर विद्यालय चेयरमैन आनंद यादव ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक एवं अभिभावक दोनों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों को मोबाइल फोन के अत्यधिक प्रयोग से दूर रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि मोबाइल बच्चों की दिशा एवं मानसिकता को भटका रहा है, जिससे उनका ध्यान पढ़ाई और लक्ष्य से हटता जा रहा है।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा प्रणाली की जानकारी दी

विद्यालय प्रिंसिपल नीतीश मिश्र ने अभिभावकों को सीबीएसई बोर्ड परीक्षा प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी।इसके बाद शिक्षकों द्वारा कक्षा-वार विद्यार्थियों की शैक्षणिक स्थिति, उपस्थिति, गृहकार्य तथा आंतरिक मूल्यांकन की जानकारी अभिभावकों को दी गई। विशेष रूप से बोर्ड कक्षाओं के विद्यार्थियों की परीक्षा तैयारी, पुनरावृत्ति योजना एवं मानसिक संतुलन बनाए रखने के उपायों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर विद्यालय डायरेक्टर साहिल यादव सहित समस्त शिक्षक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। अभिभावकों ने भी अपने सुझाव साझा किए।

धुंध के मौसम को देखते हुए पुलिस ने चलाया अभियान

ट्रैफिक पुलिस ने वाहनों पर लगाए रिफ्लेक्टर टेप

- वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हांसी

हांसी। वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाते ट्रैफिक पुलिस प्रभारी इंस्पेक्टर सुनील कुमार।

सर्दी के मौसम में पड़ने वाली धुंध व कोहरे के कारण सड़कों पर विजिबिलिटी कम होने एवं सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती आशंका के मद्देनजर ट्रैफिक पुलिस द्वारा शनिवार को जिलेभर में ट्रैक्टर-ट्रालियों, छोटे-बड़े व कॉमर्शियल वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए जाने का अभियान चलाया।

यह जानकारी देते हुए ट्रैफिक पुलिस प्रभारी इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस कर्मियों द्वारा सभी छोटे बड़े वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए ताकि घने कोहरे या धुंध के समय सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सके तथा मानव जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही ट्रैफिक पुलिस द्वारा वाहन चालकों को जागरूक करते हुए यातायात नियमों, सड़क हादसों के प्रमुख कारणों तथा बचाव संबंधी उपायों की जानकारी देते हुए उन्हें यातायात नियमों की पालना व अपने वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाने के लिए प्रेरित किया गया।

सत्यनारायण कथा वाचन एवं श्रवण से सिद्ध होते सर्व कार्य : कैलाश जोशी

- श्री विष्णु भगवान मंदिर में श्री सत्यनारायण कथा एवम् भंडारे का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हांसी

हांसी। सत्यनारायण कथा के मुख्य यजमान कपीश मित्तल को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते ट्रस्ट सचिव प्रवीण बंसल व अन्य। फोटो :हरिभूमि

चौपटा बाजार स्थित विष्णु भगवान मन्दिर ट्रस्ट द्वारा शनिवार को पूर्णिमा के अवसर पर मंदिर प्रांगण में श्री सत्यनारायण भगवान जी की कथा एवं भंडारे का आयोजन किया गया। कथा में व्यवसायी कपिश मित्तल अपनी पत्नी आस्था मित्तल के साथ मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे। श्री विष्णु भगवान मन्दिर के पुजारी पंडित पुरुषोत्तम जोशी ने पूजन एवं कथा वाचक पंडित कैलाश जोशी ने श्री सत्यनारायण भगवान जी की कथा करते हुए कहा कि जो भगवान विष्णु का ध्यान करते है भगवान भी उनका विशेष ध्यान रखते हैं। भगवान सत्यनारायण कथा वाचन, श्रवण एवं उनकी भक्ति से सर्व कार्य सिद्ध हो जाते है। कथा के दौरान भजन गायक मुस्कान उपाध्याय व वासुदेव जोशी ने मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर ट्रस्ट के सचिव प्रवीण बंसल, प्रबंधक रतन कुमार शर्मा, पार्षद मनजीत सिंह जांगडा, अनिल जोगी, प्रवीण सहारा, विपिन बाबा, पूर्व मुख्याध्यापक जय भगवान, संजय जैन, रामनिवास सरोहा, भरत सिंह वर्मा, सुशांत जैन, नवीन सोनी, कमलेश चौधरी, जयमल सिंह यादव, रणजीत सिंह सोनी आदि उपस्थित रहे।

चरित्र निर्माण, जल संरक्षण व नशा मुक्ति का दिया संदेश

- राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का एनएसएस शिविर जारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ उकलाना

उकलाना। जागरूकता रैली निकालते स्वयंसेविकाएं व अन्य। फोटो :हरिभूमि

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के तीसरे दिन का शुभारंभ प्रातः मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस इकाई प्रभारी राजेन्द्र भट्ट एवं कुलदीप कुंडु के नेतृत्व में हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डाइट मात्रश्याम अनिल बूरा तथा जनस्वास्थ्य विभाग के बीआरसी प्रदीप कुमारउपस्थित रहे। विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ. अर्जुन देव ने दोनों अतिथियों का स्वागत किया।अनिल बूरा ने विद्यार्थियों को चरित्र निर्माण एवं स्वदेशी भावना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका बताई। वहीं प्रदीप कुमार ने जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं जल के विवेकपूर्ण उपयोग पर उपयोगी जानकारी साझा की। इस अवसर पर एनएसएस स्वयसेवकों द्वारा बुद्धखेड़ा गांव में नशा मुक्ति जन-जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम में कपिल कुंडू, प्रियंका बिश्नोई, किरण, शकरद्दीन सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

हाई वोल्टेज लाइनों के विरोध में ज्ञापन सौंपा

- क्षेत्र में 220 केवी और 132 केवी उच्च क्षमता बिजली लाइनों के निर्माण को लेकर किसानों का विरोध तेज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौंद

क्षेत्र में 220 केवी और 132 केवी उच्च क्षमता बिजली लाइनों के निर्माण को लेकर किसानों का विरोध तेज हो गया है। किसानों का कहना है कि ये लाइनें उनकी उपजाऊ जमीन से होकर गुजर रही हैं, जिससे फसलों को नुकसान और आजीविका पर खतरा मंडरा रहा है। हाई वोल्टेज लाइनों के विरोध में किसानों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर मुआवजे की मांग की है। भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र ने कहा कि एसडीएम को मांगों को लेकर एक ज्ञापन दिया है। उन्होंने कहा कि नारनौंद व गांव पेटवाड़ क्षेत्र के जो किसान है। उनके खेतों से 220 केवी व 132 केवी की हाई वोल्टेज की लाइन खींची रही है। जिसमें बिजली के बड़े पोल भी लगाए जा रहे हैं। पोल लगाने से किसानों के खेतों में जो नुकसान होता है। इसका पर्याप्त मुआवजा किसानों को दिया जाए। किसान राकेश, कुलदीप, अनिल, प्रदीप आदि ने कहा कि हमें पहले मुआवजा दिया जाए, उसके बाद ही बिजली के पोल हमारे खेतों में लगाए जाएं।

हजारों एकड़ जमीन खरीदने को लेकर दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया

अभय चौटाला का बयान ओछी मानसिकता को दर्शाता : भयाना

विधायक विनोद भयाना ने पत्रकारों से की बातचीत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हांसी

हांसी। पत्रकारों से बातचीत करते विधायक विनोद भयाना। फोटो :हरिभूमि

इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला द्वारा विनोद भयाना द्वारा हांसी के चारों ओर हजारों एकड़ जमीन खरीदने को लेकर दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विधायक विनोद भयाना ने कहा कि इस तरह के निराधार और तथ्यहीन बयान उनकी ओछी मानसिकता को दर्शाते हैं।

विधायक विनोद भयाना शनिवार को लोक निर्माण विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अभय सिंह चौटाला जिस परिवार से आते हैं, उस परिवार के बाप-दादा ने प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर राजनीति की है। चौधरी देवीलाल जैसी महान शख्सियत ने अपने कर्मों और जनहितैषी नीतियों के बल पर जनता का विश्वास जीतते हुए प्रधानमंत्री पद तक का सफर तय किया, लेकिन आज उनके वंशज अभय सिंह चौटाला अपने कर्मों के कारण जनता द्वारा नकार दिए गए हैं।

तीन वर्षों में एक इंच जमीन भी नहीं खरीदी

विधायक विनोद भयाना ने कहा कि अभय सिंह चौटाला द्वारा यह कहना कि उन्होंने हांसी के चारों ओर हजारों एकड़ जमीन खरीद रखी है और इसी कारण हांसी को जिला बनवाया गया है, पूरी तरह से निराधार, झूठा और बेबुनियाद आरोप है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पिछले तीन वर्षों के दौरान उन्होंने एक इंच जमीन भी नहीं खरीदी है। अभय चौटाला द्वारा यह बयान बिना किसी आधार के दिया गया है, जिसका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं है। विधायक ने कहा कि हांसी को जिला बनाने का निर्णय सरकार द्वारा क्षेत्र के समग्र विकास, प्रशासनिक सुविधा और जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, न कि किसी व्यक्ति विशेष के निजी स्वार्थ के लिए। उन्होंने कहा कि जनता सब जानती है और ऐसे भ्रामक बयानों से सच्चाई को छुपाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर भाजपा नेता राजपाल यादव तथा विधायक के राजनीतिक सलाहकार दिनेश भूटानी भी मौजूद रहे।

सावित्रीबाई फुले जयंती पर दिया नारी शिक्षा का संदेश

आदमपुर। भारत विकास परिषद, शाखा आदमपुर द्वारा नारी शिक्षा की प्रथम ज्योति एवं महान समाज सुधारिका माता सावित्रीबाई फुले जी की जयंती कन्या गुरुकुल, डोभी में श्रद्धा, सम्मान एवं प्रेरणादायी वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष एडवोकेट अनिल गोयल ने माता सावित्रीबाई फुले जी के जीवन संघर्ष एवं नारी शिक्षा के क्षेत्र में किए गए ऐतिहासिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने नारी शिक्षा पर बल दिया।

बेदखली सूचना

मैं, नफे सिंह पुत्र श्री रतन सिंह निवासी मकान नंबर 1570, सैक्टर 4 एक्सटेंशन, रोहतक, हरियाणा हाल आबाद किरायेदार सैक्टर 9-11, हिसार, हरियाणा बयान करता हूँ कि मेरा पुत्र सचिन और पुत्रवधू रीतू दोनों मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। अतः मैं अपने उपरोक्त पुत्र व उसकी धर्मपत्नी को अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल करता हूँ। भविष्य में कोई भी व्यक्ति मेरे उपरोक्त पुत्र व पुत्रवधू के साथ जो भी लेन-देन या व्यवहार करेगा वह स्वयं ही जिम्मेवार रहेगा। मेरी व मेरे परिवार के सदस्यों की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। शपथकार

खबर संक्षेप

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का दिया संदेश

बरवाला। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुलेरी में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के चौथे दिन का मुख्य विषय बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ रहा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला एनएसएस कॉर्डिनेटर व प्राचार्य नरेंद्र दुहन ने अपने संबोधन में स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया। मुख्य वक्ता श्याम लाल ने अपने विचार रखते हुए समाज में बेटियों की समान भागीदारी और उनके अधिकारों पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि प्राध्यापक रामनिवास ने शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के महत्व को समझाया। कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार ने बताया कि इस शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने पोस्टर मेकिंग और चर्चा के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया।

हरियाणा दिव्यांग प्रीमियर लीग 9 से मेवात में

हिसार। हरियाणा दिव्यांग प्रीमियर लीग का पहला आयोजन मेवात होगा। इसमें पूरे हरियाणा के दिव्यांग खिलाड़ियों को अपना टैलेंट दिखाने का मौका मिलेगा। टीम में अग्रोहा क्षेत्र से गांव कुलेरी के अमीन कुलेरी का चयन हुआ है। इस प्रतियोगिता में में हरियाणा की 5 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसका फाइनल मैच 12 जनवरी को होगा। गांव के बेटे अमीन के चयन से कुलेरी मे खुशी का माहौल है। अमीन कुलेरी के घर बधाइयां का माहौल बना हुआ हैं। कुलेरी क्रिकेट टीम के सदस्यों अमित पंवार, सुशील, मनीत, कुलदीप बांगर, मोनू जांगड़ा, मनदीप, चीकू, सुनील क्रांतिकारी, अंकित, पोता, अन्नू, आदि साथी खिलाड़ियों ने अमीन कुलेरी को इस अवसर पर शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

'स्ट्रेंथनिंग एन्टरप्रिन्योरशिप इकोसिस्टम पर कार्यशाला कल

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद्, उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा एवं गुजवि के संयुक्त तत्वाधान में 'स्ट्रेंथनिंग एन्टरप्रिन्यूरशिप इकोसिस्टम इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस' विषय पर 5 जनवरी को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में होने वाली इस कार्यशाला में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. कैलाश चन्द्र शर्मा व उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा के महानिदेशक एस. नारायणा मुख्य अतिथि होंगे। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई करेंगे।

मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने गांव मिर्जापुर में संत कबीर को किया नमन

बरवाला में बनभौरी रोड हाईवे क्रॉसिंग का किया शिलान्यास

हिसार। बरवाला में बनभौरी रोड हाईवे क्रॉसिंग का शिलान्यास करते कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा। फोटो : हरिभूमि

हाईवे क्रॉसिंग से समय की बचत होगी

कैबिनेट मंत्री ने बरवाला के लोगों की मांग के अनुरूप हाईवे क्रॉसिंग पर बरवाला-मतलोड़ा व्हीकलर अंडर पास के समीप सर्विस रोड के निर्माण को भी आरंभ करवाया। उन्होंने कहा कि इससे बनभौरी धाम जाने वाले नागरिकों को काफ़ी सुविधा होगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस हाईवे क्रॉसिंग से स्थानीय नागरिकों को समय की बचत होगी और सड़क दुर्घटनाओं की संभावना भी कम होगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने शनिवार को गांव मिर्जापुर में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने संत कबीरदास को नमन करते हुए कहा कि संत कबीरदास का योगदान भारतीय समाज और संस्कृति में अमूल्य है।

उन्होंने इस दौरान अपने ऐच्छिक कोष से 11 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि संत कबीर ने समाज में व्याप्त जातिवाद, धार्मिक भेदभाव और सामाजिक असमानताओं के खिलाफ अपनी काव्य रचनाओं के माध्यम से आवाज उठाई। उनका संदेश था कि ईश्वर केवल एक है और उसे किसी एक धर्म या पंथ में बांधकर नहीं देखा जा सकता। कबीर ने अपनी रचनाओं में मानवता, प्रेम, और सत्य के महत्व को प्रमुखता से उजागर किया। उनका यह संदेश आज भी समाज में प्रासंगिक है।

संत कबीरदास का संदेश आज भी पूरी तरह प्रासंगिक, समाज को जोड़ने की देता है प्रेरणा : कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा

सड़क मार्ग परियोजना का किया शिलान्यास

कैबिनेट मंत्री ने बरवाला-अग्रोहा रोड से गोशाला तक सड़क मार्ग परियोजना का भी शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र की सड़क सुविधाओं में सुधार करेगी जिससे स्थानीय लोगों को सुविधा होगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस सडक के बन जाने से किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को यात्रा में सुगमता मिलेगी।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर चेयरमैन रमेश बैटरिवाला, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह धीरू, एसडीएम वेद प्रकाश बेनीवाल, सरपंच संजय, पार्षद औमप्रकाश मालिया, रामकेश बंसल, साधू राम, कृष्ण चहल, रत्न बडगुज्जर, जयभगवान, संजय कुमार, सतबीर, सुभाष बूरा, मदन, कृष्ण फौजी, भूप सिंह, मदन सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हांसी। विदाई समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्कूली विद्यार्थी।

विद्यार्थियों को सही-गलत का बोध कराते हैं संस्कार : गीता

- श्री काली देवी विद्या मंदिर में विद्यार्थियों के लिए किया वलेडिक्टरी विशेज कार्यक्रम आरोहण- नॉलेज टू डेस्टिनेशन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

श्री काली देवी विद्या मंदिर में शनिवार को बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए वलेडिक्टरी विशेज कार्यक्रम आरोहण- नॉलेज टू डेस्टिनेशन का शुभारंभ उज्वल भविष्य की मंगलकामना के लिए पूजा अर्चना के साथ संपन्न किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गीत, नृत्य एवं संगीत की आकर्षक प्रस्तुतियां शामिल रहीं। विद्यार्थियों ने कहा कि शिक्षकों के सान्निध्य ने उन्हें न केवल शैक्षणिक ज्ञान प्रदान किया, बल्कि जीवन मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा भी दी। विद्यालय प्राचार्या गीता मेहता ने अपने संदेश में विद्यार्थियों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय एवं माता-पिता द्वारा दी गई संस्कृति, संस्कार और अनुशासन उनके जीवन पथ पर सदैव मार्गदर्शक सिद्ध होंगे। संस्कार ही वह आधार हैं जो विद्यार्थियों को सही-गलत का बोध कराते हैं और हर परिस्थिति में उन्हें सही निर्णय लेने की शक्ति देते हैं।

कार्यक्रम के दौरान बौद्धिक परीक्षा एवं विद्यालय में समग्र प्रदर्शन के आधार पर प्रत्येक संकाय से मिस्टर इंटेलेक्चुअल एवं मिस इंटेलेक्चुअल का चयन कर विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय से क्रमशः कुनाल सोनी, पियूष एवं आयुष को मिस्टर इंटेलेक्चुअल तथा गोहर, उर्वशी एवं आशिमा को मिस इंटेलेक्चुअल चुना गया।

खबर संक्षेप

दांतों की स्वच्छता का अच्छे स्वास्थ्य में है अहम योगदान : डॉ. नेहा

हिसार। डॉ. सचिन मित्तल एडवांस डेंटिस्ट्री में कार्यरत बीडीएस डॉ. नेहा बंसल ने कहा कि स्वस्थ दांत सिर्फ मुस्कान को सुंदर नहीं बनाते, बल्कि पूरे शरीर को स्वस्थता रखने में योगदान देते हैं, इसलिए आज यह संकल्प लें कि हर दिन मुस्कुराएं, हर दिन अपने दांतों का ख्याल रखें। उन्होंने कहा कि दांत केवल भोजन चबाने का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी बोली, मुस्कान और आत्मविश्वास का हिस्सा है। खराब दांतों से दिल की बिमारियां, पाचन की समस्या और सांसों की बदबू जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि दिन में दो बार ब्रश अवश्य करें विशेषकर सोने से पहले। माउथवाश का उपयोग करें, ताकि बैक्टिरिया खत्म हों। तंबाकू, पानी मसाला और शराब से दूरी बनाएं। उन्होंने कहा कि डेंटल हेल्थ अवेयरनेस कैंपों के माध्यम से डॉ. सचिन मित्तल लोगों को दंत स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं। इन कैंपों में बच्चों को सही ब्रशिंग तकनीक सिखा रहे हैं।

देशद्रोह के आरोप में रामपाल मामले में चार के बयान दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

देशद्रोह सहित विभिन्न मामलों में जिले की सेंट्रल जेल में बंद रामपाल की शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेशी हुई। सतलोक आश्रम में नवंबर 2014 में भड़की हिंसा के बाद रामपाल पर देशद्रोह के तहत एफआईआर हुई थी। बरवाला थाने में दर्ज मुकदमा नंबर 428 के तहत यह सुनवाई हुई जिसमें सतलोक आश्रम में ड्यूटी देने वाले चार गवाहों के बयान दर्ज किए गए। इसमें चार पुलिसकर्मी सुभाष, जंगबीर, मुकेश और अन्य शामिल रहे। अतिरिक्त सत्र एवं न्यायाधीश गगन दीप मित्तल की कोर्ट ने अब इस मामले में अगली सुनवाई 31 जनवरी को होगी। वहीं 14 जनवरी को हरियाणा एंड पंजाब हाईकोर्ट में रामपाल की जमानत पर सुनवाई होगी।

एक तरफ जहां रामपाल पर संगीन मामले चल रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ रामपाल की तस्वीर को जगह-जगह हरियाणा में सम्मानित किया जा रहा है। सरकारी एजेंसियों के मुताबिक इस भीड़ में बाहर के लोग भी शामिल होने हो रहे हैं। इससे पहले भी रामपाल की पेशी के दौरान उसके समर्थक हिसार में डेरा डाल देते थे। हाईकोर्ट में सुनवाई से पहले रामपाल के कार्यक्रमों पर सरकारी एजेंसियों की खास नजर है।

हांसी में नए डीसी के कार्यालय का कायाकल्प जोरों पर, फर्नीचर आया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

नवगठित जिले हांसी में डीसी कार्यालय की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। फिलहाल, एसडीएम कार्यालय को ही अस्थायी रूप से डीसी कार्यालय के तौर पर तैयार किया जा रहा है। डॉ. राहुल नरवाल हांसी के पहले उपायुक्त के रूप में सोमवार को कार्यभार संभालने की संभावना है। उपायुक्त कार्यालय में नई कुर्सियां, कंप्यूटर और अन्य आवश्यक फर्नीचर पहुंच गए हैं। पुराने इनकंबेंसी बोर्ड हटाकर नए बोर्ड लगाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। शुरुआती दौर में पूरा प्रशासनिक अमला इसी कार्यालय से कामकाज संभालेगा, ताकि जिला प्रशासन का काम बिना किसी देरी के शुरू हो सके। प्रशासन स्थायी डीसी कार्यालय और अन्य विभागों के लिए विकल्पों पर गंभीरता से विचार कर रहा है। इनमें सामान्य अस्पताल के पास स्थित नगर परिषद की खाली पड़ी बिल्डिंग का उपयोग भी शामिल है। भविष्य में जिला सचिवालय को किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। प्रशासनिक स्तर पर यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि जिला बनने के बाद आम जनता को जल्द से जल्द प्रशासनिक सुविधाओं का पूरा लाभ मिले और उन्हें फाइलों व सेवाओं के लिए भटकना न पड़े। उपायुक्त कार्यालय के सक्रिय होने से विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बढ़ेगा, जिससे हांसी जिले में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

महाराजा अग्रसेन समाजवाद के प्रवर्तक एवं राम राज्य के समर्थक थे : बजरंग गर्ग

हिसार। महाराजा अग्रसेन समाजवाद के प्रवर्तक, युग पुरुष, रामराज्य के समर्थक एवं महादानी थे। महाराजा अग्रसेन उन महान विभूतियों में से थे, जो सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय कृत्यों द्वारा युगों-युगों तक अमर रहेंगे। महाराजा अग्रसेन केवल अग्रवालों के कुल प्रवर्तक ही नहीं थे अपितु महान लोकनायक, अर्थनायक, सच्चे पथ प्रदर्शक एवं विश्व बंधुत्व के प्रतीक थे। यह बात अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने माघी पूर्णिमा पर अग्रोहा धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहे। पूर्णिमा पर धाम में छप्पन भोग, भजन समारोह और भंडारे का आयोजन बजरंग गर्ग के नेतृत्व में हुआ। गर्ग ने कहा कि महाराजा अग्रसेन की नीतियों और शिक्षाओं पर चलकर पूरे विश्व को एकसूत्र में पिरोया जा सकता है। इस अवसर पर पंजाब प्रधान स्वरूप चंद सिंगला, सुरेश गुप्ता, महिला प्रधान कान्ता गोयल, रामलाल गोयल, शिवनारायण बंसल, नंदलाल मोदी, चूड़ियां राम गोयल, अनंत अग्रवाल, सीए आशीष सिंगल, ऋषि राज गर्ग, सत्यपाल अग्रवाल, पवन गर्ग, जगदीश तायल, बजरंग असरावां, पवन गोयल आदि प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखें।

वीडियो में फोन गिराते दिखा मासूम शर्मा, उठी कार्रवाई की मांग

पीड़ित युवक ने पुलिस पर लगाया कार्रवाई न करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा ने न्यू ईयर की पूर्व संध्या पर शहर में हुई म्यूजिक नाइट प्रोग्राम के दौरान एक फैन का आईफोन तोड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में मासूम शर्मा उक्त फैन का मोबाइल जमीन पर पटकते हुए दिखाई दे रहा है। इस दौरान वहां पुलिस भी मौजूद थी। लेकिन, पुलिसकर्मी केवल सिंगर को सुरक्षा देने में लगे रहे। मुल्तानी चौक निवासी पीड़ित युवक रिंकू का कहना है कि वीडियो सामने आने के बाद सब चीजें साफ हो गई हैं। इसके बावजूद पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। युवक ने आजाद नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। उसने मांग की है कि सिंगर माफी मांगें और नया आईफोन दें। रिंकू और उसके साथियों ने घटना के 72 घंटे बाद भी कोई कार्रवाई न होने के बाद एक वीडियो जारी किया है। उन्होंने कहा कि आजाद नगर पुलिस ने इस मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि आपने मासूम शर्मा का हाथ पकड़ लिया होगा, लेकिन वीडियो में साफ दिख रहा है कि ऐसा कुछ नहीं था। रिंकू ने वीडियो में कहा कि मैं साइड में खड़ा था और फोन उठाया ही था कि मासूम शर्मा ने फोन खींच लिया और जमीन पर देकर मारा, जो वीडियो में साफ दिख रहा है। आज 3 दिन हो गए, मगर पुलिस अब तक कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। रिंकू के साथियों ने कहा कि मासूम शर्मा माफी मांगें और हमारा फोन हमें वापस दिलाया जाए। शिकायतकर्ता रिंकू ने बताया कि वह नए साल की पूर्व संध्या (31 दिसंबर) पर तोशाम रोड स्थित एक रिसॉर्ट में भजन संध्या का कार्यक्रम रखा गया था। इसमें ऑर्गेनाइजर ने हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा को परफॉर्मेंस के लिए बुलाया था। हिसार के मुल्तानी चौक के निवासी रिंकू के अनुसार, वह अपने परिवार के साथ शो देखने गया था। रिंकू ने बताया कि कार्यक्रम में पहले तो सब कुछ ठीक चल रहा था। इसके बाद सिंगर प्रोग्राम पूरा होने के बाद वापस जाने लगे। रिंकू ने बताया कि वहां मौजूद कुछ लोग मासूम शर्मा के साथ फोटो खिंचवा रहे थे। इसलिए, वह भी सेल्फी लेने के लिए सिंगर के पास जाने लगा। इसी दौरान मासूम शर्मा ने उसका फोन (आईफोन) छीनकर जमीन पर फेंक दिया, जिससे फोन पूरी तरह टूट गया। रिंकू का आरोप है कि फोन तोड़ने के बाद मासूम शर्मा ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और बदसलूकी की।

डीडीआर दर्ज

इस मामले में आजाद नगर थाना प्रभारी दलबीर पूनिया का कहना है कि युवकों की शिकायत पर डेली डायरी रिपोर्ट (डीडीआर) दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पेयजल किल्लत से रोजाना तंग हो रहे ग्लोबल स्पेस सेक्टर वासी

- मामला अधिकारियों के संज्ञान में, फिर भी नतीजा सिफर

हिसार। ग्लोबल स्पेस सेक्टर 24 के निवासी पिछले कई दिन से पेयजल की समस्या से परेशान हैं। यहां पानी की सप्लाई नहीं हो रही है और लोग अपने खर्च पर पानी का इंतजाम कर रहे हैं। सोसायटी रेजीडेंट वेलफेयर सोसायटी के प्रधान जयभगवान बडाला व सचिव नरेश सैनी ने बताया कि ग्लोबल स्पेस में पिछले 20 दिनों से एक बार भी पानी की सप्लाई नहीं हुई है। बिल्डर मात्र दो-तीन टैंकरों से पूरी कॉलोनी में पानी सप्लाई करने का दावा कर रहा है जो भी बिल्कुल भी सम्भव नहीं है। यहां के निवासी अपने खर्च पर पानी की जरूरत को पूरा कर रहे हैं। कॉलोनी में पिछले 20 दिन से पेयजल की समस्या बनी हुई है। इस संबंध में सोसायटी के प्रतिनिधिमंडल ने डीटीपी व एचएसवीपी अधिकारियों से मिलकर कॉलोनी में पानी की सप्लाई न होने के कारण किल्लत से अवगत कराया लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हो रहा है। कॉलोनीवासियों ने पानी की समस्या को लेकर प्रदर्शन भी किया था लेकिन स्थिति जस की तस है। कॉलोनीवासियों ने उपायुक्त से प्रार्थना की है कि कॉलोनी में पानी जैसी मूलभूत सुविधा की पूर्ति के लिए समाधान करवाया जाए और बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई की जाए। कॉलोनी में पानी की सप्लाई सुनिश्चित करवाई जाए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

राहत मेयर प्रवीण पोपली ने राणा माइनर में छुड़वाया 200 क्यूसेक पानी

सेक्टर 14, 14 पार्ट-टू और 33 में नियमित रूप से होगी पेयजल सप्लाई

नहरबंदी के कारण शहर के कुछ क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति हो रही थी बाधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। माइनर पर पानी व्यवस्था की जांच करने अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे मेयर प्रवीण पोपली। फोटो : हरिभूमि

पिछले कई दिनों से नहर बंदी के कारण शहर के कुछ क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बाधित हो रही थी। पानी की कमी से नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को देखते हुए मेयर प्रवीण पोपली ने तुरंत सिंचाई विभाग से संपर्क किया और राणा माइनर में 200 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की व्यवस्था करवाई। मेयर की इस पहल से शहरवासियों को बड़ी राहत मिली है।

मेयर प्रवीण पोपली शनिवार को सिंचाई विभाग व संबंधित अधिकारियों के साथ राणा माइनर पहुंचे। यहां उन्होंने उस प्रक्रिया का मौके पर निरीक्षण किया, जिसके तहत अतिरिक्त साइफन लगाकर पानी को वॉटर वर्क्स में भरा जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मेयर ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ताकि जलापूर्ति व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

मेयर प्रवीण पोपली ने बताया कि नहरबंदी के चलते पिछले दिनों शहर के कुछ हिस्सों में पीने के पानी की समस्या उत्पन्न हो गई थी। नागरिकों की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। अब राणा माइनर से पर्याप्त मात्रा में पानी छोड़े जाने और अतिरिक्त साइफन लगाए जाने से जलघर में पानी का भंडारण सुचारु रूप से किया जा रहा है। इससे आने वाले दिनों में पानी की कमी नहीं होगी।

मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि रविवार से सेक्टर 14, सेक्टर 14 पार्ट-टू, सेक्टर 33 सहित आसपास के अन्य क्षेत्रों में प्रतिदिन नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति की जाएगी। मेयर ने भरोसा दिलाया कि प्रशासन नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व पार्षद एवं पार्षद प्रतिनिधि अनिल जैन, सेक्टर 14 रेजिडेंट सोसायटी के प्रधान अजय जिंदल, मोहन ऐलावादी, सिंचाई विभाग के एसडीओ वीरेन्द्र ढाड़ा, एचएसवीपी के एसडीओ अनूप बूरा, रामफल सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्थापित - 1936 सर्वेसन्तु निरामया :
डॉ. बनारसी दास शर्मा हस्पताल
3 पीढ़ियों से आपकी सेवा में
आयुर्वेद चिकित्सा-श्रेष्ठ चिकित्सा
चर्म रोग
सोरायसिस सफेद दाग बालों का झड़ना मुंहासे
एग्जीमा, Fungal, Acne, Alcpocia, Urticaria आदि सभी प्रकार के चर्म रोगों के विशुद्ध आयुर्वेदिक उपचार के लिए सम्पर्क करें।
डॉ. साकेत शर्मा, आयुर्वेदाचार्य
मोहल्ला सैनियान, हिसार | मो. 98960-04939

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 4 जनवरी 2026

बीते गुरुवार ही नया वर्ष 2026 आरंभ हुआ है। हम सभी की इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता है कि इस साल विभिन्न क्षेत्रों में क्या कुछ नया होने वाला है? हमारी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे? यहां विस्तार से बताया जा रहा है कि इस साल हमारे डेली रूटीन, वर्क कल्चर, डाइट हैबिट, हेल्थ अवेयरनेस और टेक्नोलाइफ में क्या नया होने वाला है?

कवर स्टोरी
संध्या सिंह

इस साल हमारी लाइफस्टाइल होगी हेल्दी-बैलेंस्ड-टेंशनफ्री

साल 2026 की लाइफस्टाइल में जीवन जीने के तरीके में गहरे बदलाव साफतौर पर देखने को मिलेंगे। ये बदलाव सिर्फ सतही फैशन या ट्रेंड के स्तर पर नहीं होंगे बल्कि हमारी सोच, प्राथमिकताओं और जीवन दर्शन के स्तर पर भी दिखेंगे। एक वाक्य में कहा जाए, तो साल 2026 तेज रफ्तार जीवनशैली का नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली का साल होने जा रहा है। आइए क्रमबद्ध ढंग से देखें कि ये बदलाव किस तरह के होंगे।

'ज्यादा' नहीं 'जरूरी' पर होगा फोकस

इस साल लोग ज्यादा चीजों और उपलब्धियों की तरफ न भागकर, जीवन में जरूरी यानी वास्तविक जरूरतों की तरफ फोकस करेंगे। व्यावहारिक तौर पर यह जीवनशैली हमें कम सामान, कम दिखावा और कम चीजों में खुश रहना सिखाएगी। हालांकि इसकी वजह सिर्फ सोच में परिवर्तन नहीं है। इस तरफ बढ़ने की और भी कई वजहें हैं। मसलन, बेतहाशा बढ़ती महंगाई का दबाव, जलवायु संकट, मानसिक थकान और अनिश्चित भविष्य। लब्बोलुआब यह कि इस साल मिनिमलिज्म को अधिकतर लोग अपनाएंगे। लेकिन ऐसा करना मजबूरी नहीं, हमारी समझदारी की वजह से भी होगी।

हेल्थ के प्रति बढ़ेगी अवेयरनेस

कई आंकड़े बताते हैं कि भारतीय लोग, दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खाते हैं। एंटीबायोटिक दवाएं खाने को तो बहुत सामान्य माना जाने लगा है। दरअसल, हम में से अधिकतर लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं बल्कि ज्यादा चिंतित रहते हैं। लेकिन इस साल हमारी इस सोच में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल भारतीय अपने स्वास्थ्य के लिए दवा से ज्यादा दिनचर्या के बदलाव पर जोर देंगे। अच्छी नींद, तनाव से मुक्ति, बेहतर भोजन और भावनात्मक संतुलन पर इस साल हम भारतीय पिछले किसी साल के मुकाबले ज्यादा सहज और सजग रहेंगे, क्योंकि हमारी लाइफस्टाइल में जो तेजी और मारामारी बीते वर्षों में शामिल हुई है, उसके चलते 30 से 40 की उम्र में ही बड़े पैमाने पर भारतीयों में हेल्थ संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। ज्यादातर समय चिंतित रहने के कारण आज 30 से 40 की उम्र में ही बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय लोग लाइफस्टाइल डिजीज से पीड़ित हो रहे हैं। कोविड के बाद भारतीयों में बीमारी के प्रति डर और स्वास्थ्य के प्रति चेतना में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि अब लोग आयुर्वेद और वेलनेस की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यानी पिछले वर्षों में लोगों में रेग्युलर हेल्थ चेकअप, कंसल्टेशन और डाइट कॉन्शसनेस बढ़ी है, उसमें इस साल और इजाफा होगा।

कामयाबी की बदलेगी परिभाषा

आज की तारीख में हम अच्छी नौकरी और ज्यादा से ज्यादा कमाई को अपनी सफलता का पैमाना मानते हैं। लेकिन इस साल हमारी यह सोच भी थोड़ी बदलेगी। इस साल हम कामयाबी यानी अच्छी नौकरी और ज्यादा पैसे के मुकाबले मानसिक शांति को ज्यादा महत्वपूर्ण समझेंगे। इस साल हम समय की कीमत को, कमाई से ज्यादा महत्व देने वाले हैं और फैशन या दिखावे की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ेगी। मतलब साफ है कि इस साल हम अर्थपूर्ण ढंग से काम करेंगे और इसकी वजह यह होगी कि एआई और ऑटोमेशन ने नौकरी की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। एआई के इस युग में किसी की भी नौकरी अचानक जा सकती है। युवा पीढ़ी ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि सब कुछ पाने के बाद भी एक खालीपन बना रहता है। इसलिए सब कुछ पाना अब कामयाबी की आखिरी परिभाषा नहीं होगी। जरूरत भर की इनकम में भी अपनों के साथ और प्रकृति के करीब जीवन गुजारने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

बदलेगा वर्क कल्चर

वर्क कल्चर की दिशा में इस साल सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। अब हमारे रूटीन जीवन पर हमारा प्रोफेशनल वर्क हावी नहीं रहेगा। अब जीवन पर काम का इतना दबाव नहीं होगा कि सिर्फ काम ही काम जिंदगी की प्राथमिकता रहे। अब काम और जीवन में एक व्यापक और समानुपातिक बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल जो ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखने वाले हैं, उनका रिश्ता भी जीवन और काम से सीधे-सीधे जुड़ता है। मसलन, हाइब्रिड जॉब कल्चर। इस साल सबसे ज्यादा हाइब्रिड जॉब कल्चर के प्रति यंगस्टर्स का झुकाव देखने को मिलेगा। फ्रीलांस वर्क अब नए सिरे से प्रतिष्ठित हो रही गतिविधि है। पहले इसे लोग मजबूरी समझते थे लेकिन अब इसे अपने मन की मर्जी और और पसंद समझा जाने लगा है। इस साल अपनी इच्छा से करियर में ब्रेक को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी। अब तक करियर ब्रेक को असफलता के रूप में दर्ज किया जाता था। और इस साल जो देश में लाइफस्टाइल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे, वह सबसे ज्यादा जीवंत इस तथ्य से होगा कि अब हाई प्रोफेशनल पहचान वाले लोग सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और दक्षिण भारत के तो गांवों में भी मिलेंगे।

टेक्नोलॉजी का बैलेंस्ड इस्तेमाल

हाल के सालों में टेक्नोलॉजी ने जिस तरह से हर खास और आम लोगों के जीवन में दखल बढ़ाया है, उसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी दिखते रहे हैं। अच्छी बात है कि लोगों में इसके प्रति भी अवेयरनेस बढ़ी है। अब टेक्नोलॉजी से लोगों का एडिक्शन कम होना शुरू हो गया है। इस साल अनुमान है कि भारतीय लोग बीते कुछ सालों के मुकाबले कम फोन करेंगे और सोशल मीडिया पर भी कम से कम समय जाया होने देंगे। सोशल मीडिया से दूरी इस साल काफी ज्यादा बढ़ेगी और डिजिटल डिटॉक्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे जरूरी और सहज ढंग बन जाएगा। वास्तव में इस बदलाव का प्रमुख कारण होगा बड़े पैमाने पर भारतीयों में डिजिटल थकान बढ़ने लगी है और आपा-धापी में मन और तन दोनो की एकाग्रता में भारी कमी आई है। इसलिए इस साल बड़े पैमाने पर भारतीय लोग डिजिटल थकान से बचने पर ध्यान देंगे और रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को कम करने की कोशिश करेंगे।

इसी तरह इस साल हमें अपने लाइफस्टाइल में रिश्तों की एक नई संस्कृति, खान-पान में स्वास्थ्य के प्रति चेतनता बढ़ी हुई दिखेगी। हर समय काम में डूबे रहने की जगह अपनी रुचि, अपने परिवार और हेल्थ के लिए भी समय निकालेंगे। निश्चित ही ये बदलाव हम सभी के जीवन में सकारात्मक दिशा में बढ़ने में मददगार साबित होंगे। *

साइंस-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इस वर्ष खुलेंगे नए आयाम

नया वर्ष 2026 भारत के लिए विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्रों में प्रगति और चुनौतियों के साथ परिवर्तनकारी संभावनाओं को लेकर आया है। इस साल साइंस और टेक्नोलॉजी में किस तरह के बदलाव दिखेंगे, क्या कुछ दिखेगा नया और अभूतपूर्व, आगामी दिनों की संभावनाओं पर एक नजर।

साइंस-टेक 2026
संजय श्रीवास्तव

नया साल भारत के विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाओं को लेकर आया है। अगर सही नीति के तहत निश्चित कार्य योजना बनाकर आगे बढ़ा गया तो देश का 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक टॉप थ्री सुपरपावर्स में शामिल होने का सपना जरूर पूरा होगा। बेशक, इस मार्ग में चुनौतियां कम नहीं हैं, पर हम इस वर्ष से सस्ते हरित ऊर्जा, तेज इंटरनेट, सुरक्षित साइबर स्पेस, रक्षा आत्मनिर्भरता से मजबूत

होती सुरक्षा, पर्यावरण सुधार, शुद्ध पेयजल के साथ समृद्ध कृषि की आशा रख सकते हैं। सरकार, उद्योग और नागरिकों का समेकित प्रयास इस लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डीपटेक में होगी प्रगति: इस साल डीपटेक सबसे बड़ी संभावना वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में एक लाख स्टार्टअप्स में से 20 प्रतिशत डीपटेक, खासकर क्वांटम, बायोटेक पर केंद्रित होंगे। इस क्षेत्र में निवेश 2025 के 50 बिलियन डॉलर से बढ़कर 70 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग व डिजाइन में प्रोत्साहन योजनाओं, एआई मिशन और विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग के विस्तार से रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की प्रतिभा वैश्विक कंपनियों को भा रही है, सो इस साल इस क्षेत्र में घरेलू स्टार्टअप्स के उभरने की पूरी संभावना है।

नए आसमान छुएगा इसरो: इसरो बीते सालों की तरह ही इस साल भी अपनी उपलब्धियों की वजह से खबरों में छाया रहेगा। स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली के प्रदर्शन, इंडो-मॉरीशस संयुक्त उपग्रह और ध्रुव स्पेस का लीप-2 उपग्रह भेजने के साथ गगनयान परियोजना का पहले मानवरहित मिशन समेत तकरीबन दर्जन भर महत्वपूर्ण प्रक्षेपण उसकी कार्य सूची में हैं। इसकी कम लागत नवाचार, उपग्रह संचार और पृथ्वी-अवलोकन सेवाएं कृषि, आपदा प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव लाएंगी। रडार सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, प्रिसिजन इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैपिंग तकनीक की दुनियाभर में मांग बढ़ रही है। इन सेक्टर में छोटे-छोटे स्मॉलकैप कंपनियों की बढ़ती भूमिका के तहत 2026 तक स्पेस टेक्नोलॉजी से कमाई की तस्वीर बदलेगी।

डिफेंस सेक्टर में होंगे मजबूत: डीआरडीओ और निजी उद्योग की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की गति को बढ़ाएगी तो स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ड्रोन, एआई-डिफेंस और साइबर क्षमताओं में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। हाइपरसोनिक हथियार, उन्नत लड़ाकू विमान, अग्नि-6 मिसाइल परीक्षण, सुखोई 30 को तेजस एमके-2 से बदलना और डीआरडीओ के एआई-संचालित ड्रोन सेल्फ अरमाडा परियोजना चर्चा में होंगे, तो आईडेक्स की फंडिंग से तकनीकी स्टार्टअप्स फलेंगे-फूलेंगे। इस बरस डीप ओशन मिशन के तहत विकसित मत्स्य 6000 पनडुब्बी, जो 6000 मीटर की गहराई तक, तीन वैज्ञानिकों को ले जाएगी। यह समुद्री संसाधन, खनिज खोज और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा निगरानी के लिए अहम साबित होगी।

बढ़ेंगे 5जी यूजर्स: संसार के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार में 5जी उपभोक्ता इस वर्ष करीब 330 मिलियन हो जाएंगे। सैटेलाइट इंटरनेट से संचार क्षेत्र में आई क्रांति का एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव दिखेगा। 2026 में भारतनेट के विस्तार से जब गांवों में 100 एमबीपीएस स्पीड वाली कनेक्टिविटी 50 फीसदी तक पहुंचेगी, डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 5 लाख डिजिटल साक्षरता केंद्र खुलेंगे। 6जी पर अनुसंधान भी तेज होगा, इसका असर 2026 में पायलट टेस्ट, पेटेंट और वैश्विक साझेदारियों के रूप में दिखेगा।

ग्रीन एनर्जी का बढ़ेगा यूज: इस साल ग्रीन एनर्जी की फील्ड में स्टार्टअप्स नई उम्मीदें जगाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 5 मिलियन टन उत्पादन

लक्ष्य से ऊर्जा स्वायत्तता मिलेगी। लाइफ मिशन से वन कवर 33 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। पर्यावरण में हरित हाइड्रोजन, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग और प्रदूषण-नियंत्रण तकनीक शहरों के लिए जीवनरेखा बन सकती हैं। सरकार ऊर्जा-कुशल चिप्स, सस्टेनेबल क्लाउड और एआई-संचालित जलवायु समाधानों में निवेश बढ़ाएगी। प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जल संरक्षण पर नई योजनाओं की उम्मीद है। पर्यावरण में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एक्सचेंज शुरू होगा और कृषि में 'रीइमेजिनिंग एग्रीकल्चर' रोडमैप। कृषि में एग्री-टेक, एआई डिजिटल ट्विन्स, ड्रोन स्प्रे, सेंसर, प्रिसिजन फार्मिंग, जलवायु-प्रतिरोधी बीजों से उत्पादकता 20 प्रतिशत बढ़ेगी तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। *

दोहे
गोविंद भारद्वाज

मिलते पुष्पाहार

धन-दौलत के मोह से, दूर रहो सब यार।
शुद्ध भाव से नित करो, अपना सब व्यापार।।

गीता पढ़ना ज्ञान की, होगा जीवन पार।
फिर जीत मिलेगी सदा, दूर रहेगी हार।।

देश निकाला दीजिए, आए सीमा पार।
फूल नहीं वो देश के, बने हुए हैं खार।।

बात करो बस प्यार से, नेक रहे व्यवहार।
मेल मिलाप रहे सदा, जीवन का आधार।।

सत्य-अहिंसा से मिले, जीव-जगत को प्यार।
सन्मार्ग पर यदि चलें, सुखी रहे संसार।।

सत्य वचन पर हों अडिग, झुक जाएं हथियार।
तोप-तमंचे फेल फिर, मिलते पुष्पाहार।।

लघुकथाएं

पेट का स्वाभिमान

अपनी थाली देखकर रम्मू ने पत्नी रमिया से पूछा, 'रोटियां तो पांच ही हैं, तो तुम इतनी बड़ी थाली में क्यों परोसती हो?'

'थाली बड़ी नहीं है, रोटियां छोटी हो गई हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है पर आमदनी नहीं। ऐसे में रोटी तो छोटी होती ही जाएगी।' रमिया ने मायूस होकर कहा।

'मेरे पास इस समस्या का एक हल है। कल से छोटी थाली में रोटी परोसना।' रम्मू ने सुझाव दिया।

'तुम्हें छोटी थाली में परोस तो दूंगी, लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास दो ही थालियां हैं। तुम्हारी जूठी थाली में मैं खा लेती हूं। छोटू अपनी थाली में खाता है। वह तो इतनी छोटी है कि उसमें तुम्हारी ये रोटियां भी नहीं आ सकती हैं।' रमिया ने बताया।

'तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या करें, जिससे हमारी रोटियां बड़ी हो सकें।'

रम्मू और रमिया लेटे-लेटे इस गंभीर समस्या पर विचार करते रहे। रात भर उनके दिमाग में रोटियां घूमती रहीं। सुबह-सुबह आंख लगी तो दोनों ने एक ही सपना देखा। कोई उन्हें बड़ी-बड़ी रोटियां दे रहा है, किंतु फेंक-फेंककर।

दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। एक-दूसरे को अपने सपने के बारे में बताया। फिर दोनों ने एक राय से निश्चय किया। 'हम भीख किसी भी स्थिति में नहीं मांगेंगे। पेट का भी स्वाभिमान होता है। रोटियां बड़ी करनी हैं तो अब हम दोनों ज्यादा से ज्यादा मेहनत करेंगे।' *

-बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

सच्ची साधना

काफी पुरानी बात है। किसी वन में स्थित एक आश्रम में एक गुरु अपने दो शिष्य मोहनदास और चैतन्यदास के साथ रहते और साधना करते थे। मोहनदास स्वभाव से अहंकारी था, इसलिए गुरुजी को हमेशा अपनी साधना को सच्ची बताया करता था। चैतन्यदास, मोहनदास की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी साधना में लीन रहता था।

एक दिन गुरुजी ने मोहनदास का अहंकार दूर करने की सोची। उन्होंने दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'जाओ घने जंगल में जाकर कुछ दिन एकांत में साधना करो। मैं स्वयं आकर देखूंगा कि किस शिष्य की साधना सच्ची है?'

दोनों शिष्य घने जंगल में पहुंचे। अत्यंत सर्द मौसम था। ठंड से बचने के लिए दोनों ने अलाव जलाया और उसके निकट ही बैठकर साधना करने लगे। कुछ ही देर में अचानक 'बचाओ..बचाओ..' की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनकर चैतन्यदास अलाव में से एक जलती लकड़ी लेकर आवाज आने की दिशा में दौड़ा। उसने देखा कि एक भालू किसी बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला है। चैतन्यदास ने जलती लकड़ी से भालू को भगाया और महिला का जीवन बचा लिया। उसने पूछा, 'मां आप इतनी ठंड में घने जंगल में क्या कर रही हैं?'

'बेटा, मैं कई वर्षों से इस जंगल से लकड़ी बीन कर अपने

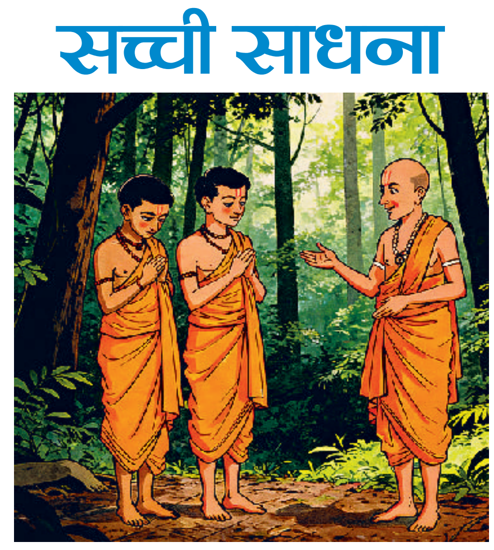

घर की रसोई में खाना बनाती हूं। आज न जाने यह भालू कहां से आ गया?' महिला ने बताया।

'मां, पहाड़ी पर बर्फबारी होने के कारण भालू नीचे जंगल में आ गया होगा। आगे आप संभलकर ही इस घने जंगल में आना। चलिए, आपको मैं घर तक छोड़ देता हूं।' चैतन्यदास बोला।

उधर गुरुजी साधना स्थल पर पहुंचे और पूछा, 'अरे! मोहनदास, चैतन्यदास कहां चला गया?'

'गुरुजी, मैं यहां हूं।' कहते हुए चैतन्यदास गुरुजी के पास पहुंचा। उसे देखकर मोहनदास बोला, 'अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि चैतन्यदास तो साधना छोड़कर कहीं चला गया लेकिन मैं कहीं नहीं गया। इसलिए मेरी साधना ही सच्ची है।' गुरुजी ने चैतन्यदास से पूछा, 'तुम कहां गए थे?' चैतन्यदास ने पूरी घटना के बारे में बता दिया। इस पर मोहनदास ने पूछा, 'अब आप ही बताइए गुरुजी, किसकी साधना सच्ची है?'

गुरुजी ने कहा, 'सच्ची साधना वही होती है, जिसमें मानवता हो। तपस्या तो बाद में भी की जा सकती है, लेकिन किसी का जीवन बचाना ही सच्ची साधना है। इसलिए चैतन्यदास की साधना ही सच्ची साधना है।'

यह सुनकर मोहनदास का सिर शर्म से झुक गया। *

-चंद्रप्रकाश डाले

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

शताब्दी स्मरण : अमरकांत

कुछ समय पूर्व प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत के जन्मशती के अवसर पर 'बनास जन' का 'शताब्दी स्मरण : अमरकांत' विशेषांक छपकर आया है। इसमें अमरकांत की बहुआयामी साहित्यिक छवियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस समृद्ध अंक के अलग-अलग खंडों में उनके विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है। 'स्मृतियों में अमरकांत' खंड में ममता कालिया, हरीश पांडे और मनोज कुमार पांडे ने उनसे जुड़ी स्मृतियों को मार्मिकता से संजोया है। 'लेखकों के लेखक' शीर्षक संस्मरणात्मक लेख में ममता कालिया ने कुछ प्रसंगों के जरिए अमरकांत जी के स्वाभिमानी रचनाकार की छवि को प्रकट किया है। प्रेमचंद के बारे में अप्रिय टिप्पणी करने पर अमरकांत जी, 'मनोरमा' के मालिक-संपादक आलोक मित्र से यह कहने से नहीं हिचके, 'प्रेमचंद सर्वहारा के पक्षधर रचनाकार थे। आप लोग भूख और गरीबी बेचते हैं। प्रेमचंद ऐसे विक्रेता नहीं थे।' जबकि उन दिनों वे उसी पत्रिका में संयुक्त संपादक के पद पर कार्य कर रहे थे।

पत्रिका : बनास जन-82 (शताब्दी स्मरण : अमरकांत), संपादक: पल्लव, मूल्य: 200 रुपए

'कुछ पते कुछ चिट्ठियां' खंड में अमरकांत जी द्वारा लिखे गए कुछ पत्रों को संकलित किया गया है। इन्हें पढ़ते हुए उनके भीतर मौजूद एक अत्यंत भावुक रचनाकार की छवि प्रकट होती है। यहां अमरकांत जी के सभी उपन्यासों और कथा संग्रहों पर कई समीक्षकों के विवेचनात्मक लेख भी पढ़े जा सकते हैं। इनसे गुजरते हुए अमरकांत जी की कथादृष्टि का विस्तार और मानवीय संवेदना की गहनता को महसूस किया जा सकता है। उनके कथा संग्रह 'कुहासा' पर उमाशंकर चौधरी की यह टिप्पणी देखी जा सकती है, जिसमें वह कहते हैं, 'अमरकांत के यहां पात्रों के संघर्ष का विश्वसनीय चित्रण है। वे अपने समय की समस्याओं को भी पकड़ते हैं और विडंबनाओं को भी।' कहने की जरूरत नहीं कि यह अंक पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

इंडोनेशिया

अगर आपको पर्यटन का शौक है और आप देश-विदेश के चुनिंदा लोकेशंस को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको अलग-अलग देशों में स्थित इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस की सैर जरूर करनी चाहिए। इन विश्व प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशंस की खासियतों को खुद के अनुभव से लेखक साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

टूरिज्म
समीर चौधरी

5 फैमिली के संग घूम आइए अमेजिंग टूरिस्ट डेस्टिनेशंस

अब तक मैं 125 से अधिक देशों की यात्रा कर चुका हूं और इस अनुभव से मेरा यकीन पुख्ता हुआ है कि दुनिया को समझने का सबसे विश्वसनीय रास्ता पर्यटन ही है। अपने तजुर्बे की रोशनी में मेरा सुझाव है कि अगर आप इस साल विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं तो इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस को प्राथमिकता दे सकते हैं, क्योंकि इन स्थलों पर प्रकृति, संस्कृति और परिवर्तनीय अनुभवों को वास्तव में महसूस किया जा सकता है।

इंडोनेशिया मिलेंगे विविधरंगी अनुभवः इंडोनेशिया दुनिया के उन देशों में शामिल है, जिनमें आकर्षण व दिलचस्पी का हर रंग देखने को मिल जाता है। यहां बोर्नियो में ओरंगुटान को उनके प्राकृतिक स्थलों में देखने के बाद आपको वन्यजीव संरक्षण के वास्तविक महत्व का एहसास होगा। फ्लोर्स में सक्रिय ज्वालामुखी, परंपरागत गांव और अविश्वसनीय नीले सागर एक विशिष्ट सांस्कृतिक और प्राकृतिक यात्रा का अनुभव कराते हैं। पश्चिम में लोंबोक में आपको मिलेंगे रिंजानी जैसे ज्वालामुखी, शासक संस्कृति, सुंदर झरने और शांत समुद्री तट, जहां बाली की तरह पर्यटकों की भीड़ नहीं होगी और पास में ही गिल द्वीप (विशेषकर गिल एयर और गिल मेनो) में साफ-स्वच्छ जल, सी टर्टल और आरामदायक वातावरण का जन्नत है, जो दक्षिणपूर्व एशिया में अब लगभग लुप्त हो चुका है। इंडोनेशिया में आप विशेष रूप से तनजुंग पुटिंग, केलिमुतु, कोमोडो, रिंजानी, तिड केलेप, सेंदांग गिले, गिल एयर और गिल मेनो को जरूर देखें। लोंबोक और गिल जाने के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर है, जबकि बोर्नियो और फ्लोर्स के लिए जून से सितंबर। आपको इंडोनेशिया इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि यहां आपको जीवित संस्कृति, ज्वालामुखी, स्वप्निल समुद्री तटों और संसार में कुछ सबसे विशेष अनुभवों का संगम देखने को मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका दिखेगा वाइल्डलाइफ का बेहतरीन नजाराः दक्षिण अफ्रीका में विश्व प्रसिद्ध क्रूगर नेशनल पार्क तो देखने के लिए है ही। इसके अलावा भी बहुत कुछ देखने के लिए वहां है। एक अलग मार्ग केपटाउन में आरंभ होता है और फिर स्टेलेनबोश व फ्रांसचोक के अंगूरों के खेतों से होता हुआ समारा और ग्रेट कारु तक जाता है। फिर वहां से आप किंबर्ले के लिए फ्लाइट ले सकते हैं और कालाहारी जा सकते हैं। वहां शानदार सफारी का आनंद भी आप उठा सकते हैं। 'वर्किंग विद वाइल्डलाइफ' जैसे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र में संचालित हैं, जो विभिन्न समुदायों और जीव प्रजातियों के संरक्षण में मदद करते हैं। दक्षिण अफ्रीका में पर्यटन के लिए सबसे अच्छा समय मई से सितंबर तक है और विशेष रूप से आपको समारा, कारु नेशनल पार्क, केप वाइनयार्ड्स और कालाहारी देखने चाहिए।

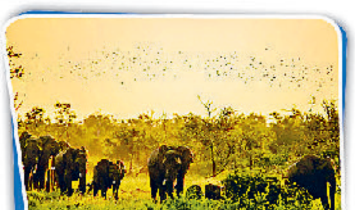
दक्षिण अफ्रीका में क्रूगर नेशनल पार्क

मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट

फिजी

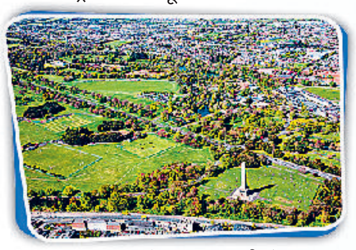
फिनिक्स पार्क डबलिन सिटी सेंटर

फिजी आकर्षक सांस्कृतिक विविधता का देशः अपनी मेहमाननवाजी, शुद्ध प्राकृतिक वातावरण और सांस्कृतिक विविधता के लिए मशहूर फिजी की यात्रा आपके लिए निश्चित तौर पर यादगार अनुभवों से भरी होगी। यहां के अंदरूनी गांवों में खासतौर से मिलने वाले कावा (एक विशेष प्रकार का पेय) का स्वाद और अनुभव फिजी आने वाले पर्यटक जरूर लेते हैं। कावा एक अनोखा पेय होने के साथ-साथ फिजी के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक-सा बन गया है। फिजी की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर तक माना जाता है। फिजी यात्रा के दौरान आपको यसवाया, विती लेवु व मोनुरिकी अवश्य देखना चाहिए। फिजी आपको इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि इसके आकर्षक सी बीच, आपको यहां की अति सुंदर संस्कृति से जोड़ते हैं।

न्यूयॉर्क सिटी अमेजिंग सेंट्रल पार्क के लिए प्रसिद्धः अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में स्थित सेंट्रल पार्क न सिर्फ दुनिया भर के सिटी पार्कों के लिए अच्छी मिसाल है बल्कि मेनहट्टन के बीच में स्थित यह स्थान अपने आपमें सेलेब्रिटी स्टेटस रखता है। पार्क का दक्षिणी हिस्सा न्यूयॉर्क सिटी और उसके रईस सबअर्ब की याद दिलाता है। उत्तरी हिस्सा अपने पहाड़ों, पेड़ों व बेंचों के कारण इस शहर के अतीत की याद दिलाता है। इस मास्टरपीस का आनंद लेने के लिए खुले मैदान में बैठें, झील के पास ब्रेक लें, स्ट्रॉबेरी खेतों के पास रुकें जो जॉन लेनन की याद में हैं या जाड़े में आइस स्केटिंग करें। जिन पर्यटकों को कला, प्रकृति और विज्ञान में दिलचस्पी है, वे मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट और अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री में जा सकते हैं, जो पार्क के बीच के हिस्से में ही स्थित हैं।

फिनिक्स पार्क शोर-शराबे से दूर नेचर के करीबः आयरलैंड के डबलिन सिटी सेंटर के निकट ही फिनिक्स पार्क स्थित है। लिफेय नदी के साथ वाली सड़क पर डबलिन से पब्लिक ट्रांसपोर्ट द्वारा यहां तक पहुंचने में 20 मिनट लगते हैं। फिनिक्स पार्क आपको शोर-शराबे से बहुत दूर ले जाता है। इसकी झील के पास आपको सैकड़ों जंगली हिरण घूमते हुए मिल जाएंगे, जिनसे आपकी नजर नहीं हट सकेगी। यहां पापल क्रॉस, वेलिंगटन स्मारक और सेंट थॉमस हिल के ऊपर तारे के आकार का मैगजीन फोर्ट जैसे स्मारक भी दर्शनीय हैं। इनके अलावा एश्टाउन कैसल, फार्मलीग हाउस भी देखने योग्य है। *

नए साल में करिए खुद को ऐसे अपडेट

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

नए साल का आगाज हो चुका है। आप जरूर सोच रहे होंगे कि इस नए साल में खुद को अपडेट करने के लिए क्या कुछ ऐसा करें, जिससे आपकी ओवरऑल पर्सनालिटी में निखार आए, आपके करियर को भी एक नया मुकाम हासिल हो। इसके लिए कुछ उपयोगी सलाह।

आपने देखा होगा कि समय-समय पर शोरूम, पत्र-पत्रिकाएं, बड़े ब्रांड्स आदि अपने कलेवर बदलते और दुरुस्त करते रहते हैं, खुद को रिन्यू करते रहते हैं। वास्तव में रीब्रांडिंग, रीन्यूअल और रेनोवेशन एक सतत प्रक्रिया है। एक व्यक्ति के रूप में भी खुद को अपडेट करते रहना चाहिए। इसकी शुरुआत अभी शुरू हुए नए साल से भी की जा सकती है।

नया माइंडसेट : हमारा दिमाग मांसपेशी की तरह होता है। इसे जितनी चुनौती, मशक्कत और वर्जिश देंगे, यह उतना ही मजबूत होगा। इसलिए इसे नयापन या स्ट्रेंथ देने के लिए ऐसी नई स्किल्स सीखें, जिससे दिमाग की कसरत होती हो। जैसे कोई नई भाषा सीखें, पब्लिक स्पीकिंग की प्रैक्टिस करें, कोडिंग या कोई नया आर्ट सीखें। रोज सुबह एक नोटबुक में लिखें कि बीते कल आपने क्या नया महसूस किया, देखा या सीखा? दिन में जब फुर्सत मिले, 5-10 मिनट का कोई ऐसा पॉडकास्ट देखें, जो किसी नए और दिलचस्प विषय पर आधारित हो।

नई बॉडी-स्ट्रेंथः आपका शरीर सतत क्रियाशील रहता है। जाहिर है, इससे ऊर्जा का क्षय होता है और शरीर में थकान व दुर्बलता भी आती है। इसलिए इसे समुचित ऊर्जा और पोषण रूपी ईंधन की जरूरत होती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी डाइट में बहुरंगी सब्जियां और फल शामिल करें, पौष्टिक अनाज, दूध, दही, दालें आदि अवश्य लें। एक्सरसाइज, वॉक, जॉगिंग, साइक्लिंग जैसी एक्टिविटीज को अपने डेली रूटीन का हिस्सा बनाएं।

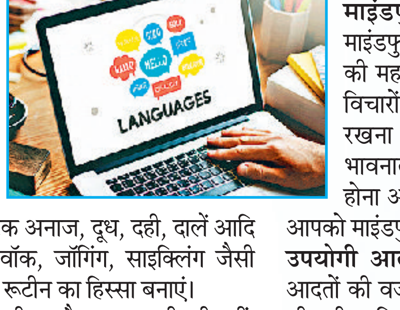

नई स्किलः ज्यों-ज्यों समय बीतता है आपका शरीर ही नहीं, आपका टैलेंट, नॉलेज और स्किल भी बहुत हद तक पुराना और आउटडेटेड होने लगता है। इसलिए जरूरी है कि आप इन्हें भी समय के साथ अपडेट करते रहें। आपको इस साल कुछ ऐसी स्किल सीखनी चाहिए, जो आपकी दिलचस्पी की हों और जरूरत की भी। आने वाले समय में ग्राफिक डिजाइनिंग, स्टॉक ट्रेडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स, कॉपीराइटिंग जैसे स्किल्स आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकते हैं।

नए संबंधः बदलते परिदृश्य, बदलते ट्रेंड और बदलते परिवेश के हिसाब से आपको अपने आस-पास के लोगों का दायरा भी अपडेट करना पड़ता है। आज की दुनिया में सोशल कनेक्शन बहुत जरूरी है। बड़ा सोशल नेटवर्क आपको फायदा पहुंचाएगा। आपको अपनी दिलचस्पी और जरूरत के मुताबिक नए लोगों से मेल बढ़ाना चाहिए, जो आपको मोटिवेट कर सके, व्यापारिक या प्रोफेशनल लाभ पहुंचा सकें और जिनसे आप कुछ नया सीख सकें।

सेल्फ अवेयरनेसः पर्सनालिटी डेवलपमेंट के प्रमुख घटकों में से एक है सेल्फ अवेयरनेस। सेल्फ अवेयरनेस के माध्यम से आप अपने मूल्यों, कमियों और खूबियों के बारे में अधिक जान सकते हैं, जिससे आपको अधिक सार्थक लक्ष्य बनाने और बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। यह गुण आपको उन विशेषताओं को स्वीकार करने और पूरी तरह से समझने में सक्षम बनाता है, जो आपको विशिष्ट बनाती हैं। आत्म-जागरूकता (सेल्फ अवेयरनेस) दूसरों के साथ सरस और सार्थक रिश्ते बनाने की आपकी क्षमता को भी बेहतर बनाती है।

माइंडफुलनेस का अभ्यासः ध्यान देना यानी माइंडफुलनेस सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की महत्वपूर्ण नीति है। ध्यान देने का अर्थ है, अपने विचारों और भावनाओं के प्रति जागरूकता बनाए रखना और वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना। भावनात्मक नियंत्रण में सुधार, तनाव का स्तर कम होना और फोकस की अवधि बढ़ना जैसे कई फायदे आपको माइंडफुलनेस के अभ्यास से मिलते हैं।

उपयोगी आदतेंः हर व्यक्ति की पहचान उसकी अपनी आदतों की वजह से भी बनती है। आपको कुछ ऐसी आदतें सीखनी चाहिए जो आपकी हेल्थ, पर्सनालिटी और आर्थिक रूप से भी आपको इंप्रूव करती हों। जैसे- रोजाना पर्याप्त पानी पीना, रोज किसी किताब के कम से कम पांच पेज पढ़ना, रोज सुबह जाकर 5 से 5:30 के बीच जागकर ब्रीदिंग एक्सरसाइज, वॉक आदि करना। बाजारू खाना त्याग कर घर का ताजा भोजन करना। बिजनेस न्यूज चैनल देखना और बिजनेस पत्रिकाएं पढ़कर आर्थिक मोर्चे पर खुद को नियमित अपडेट करना। आर्थिक खबरों, नई सरकारी नीतियों से रूबरू रहना। *

विशेषः विश्व ब्रेल दिवस 4 जनवरी

जानकारी
अंजू जैन

दृष्टिबाधित लोगों के जीवन में लुई ब्रेल ने नई आशा का संचार ब्रेल लिपि के जरिए किया था। क्या है ब्रेल लिपि, इसका महत्व और उद्देश्य क्या है? आज 'विश्व ब्रेल दिवस' के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं विस्तार से।

दृष्टिबाधितों के जीवन में ब्रेल लिपि से फैला उजाला

आपने क्या कभी सोचा है कि अगर हमारी आंखों के सामने अंधेरा हो, तो हम किताबें या अपनी पसंदीदा कहानियां कैसे पढ़ेंगे? हम रंगों को कैसे पहचानेंगे या गणित के सवाल कैसे हल करेंगे? दुनिया में लाखों ऐसे लोग हैं, जो देख नहीं सकते, लेकिन वे हमारी-आपकी तरह ही पढ़ते हैं, लिखते हैं और कंप्यूटर चलाते हैं। यह सब मुमकिन होता है 'ब्रेल लिपि' की सुविधा से।

लुई ब्रेल

क्यों मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः वर्ष 2019 से हर साल 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस दृष्टिबाधित लोगों के लिए शिक्षा, संचार और सामाजिक समावेश के लिए ब्रेल लिपि (स्पर्शनीय लेखन प्रणाली) के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इसी दिन ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती होती है। लुई का जन्म 4 जनवरी 1809 को फ्रांस के एक छोटे से गांव में हुआ था। जब वे मात्र 3 साल के थे, तो अपने पिता की कार्यशाला में औजारों से खेलते समय उनकी आंखों में चोट लग गई और धीरे-धीरे उनकी दोनों आंखों की रोशनी चली गई। लुई पढ़ना चाहते थे, लेकिन उस समय नेत्रहीनों के लिए पढ़ाई बहुत मुश्किल थी। उन्होंने हार नहीं मानी और मात्र 15 साल की उम्र में एक ऐसी भाषा तैयार की, जिसे छूकर पढ़ा जा सकता था। उन्हीं के सम्मान में संयुक्त राष्ट्र ने 2019 से हर साल 4 जनवरी को आधिकारिक तौर पर 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाने की शुरुआत की।

कुछ इस तरह मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः इस अवसर पर स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जहां लोगों को ब्रेल लिपि के बारे में बताया जाता है। ब्रेल पढ़ने और लिखने की प्रतियोगिताएं होती हैं। दृष्टिबाधित लोगों और उनके परिवारों के साथ बातचीत की जाती है, ताकि उनकी समस्याओं को समझा जा सके।

क्या है ब्रेल लिपिः ब्रेल कोई भाषा नहीं, बल्कि एक 'कोड' या 'लिपि' है। इसे कागज पर उभरे हुए बिंदुओं के जरिए पढ़ा जाता है। इसमें कुल 6 बिंदु होते हैं। इन 6 बिंदुओं को अलग-अलग क्रम में सजाकर अक्षर, संख्याएं और संगीत के संकेत बनाए जाते हैं। नेत्रहीन बच्चे अपनी अंगुलियों के पोरों से इन उभरे हुए बिंदुओं को छूकर महसूस करते हैं और तेजी से पढ़ लेते हैं।

ब्रेल लिपि, दृष्टिहीनों को पढ़ने का मौका तो देती ही है, इससे उनके जीवन और उनके प्रति लोगों के नजरिए में भी व्यापक बदलाव देखने को मिलते हैं। वास्तव में संयुक्त राष्ट्र ने इस दिन यानी 'विश्व ब्रेल लिपि दिवस' की शुरुआत इसलिए की, ताकि यह याद दिलाया जा सके कि हर किसी को, चाहे वह देख सकता हो या नहीं, शिक्षा, सूचना और संचार का समान अधिकार है।

ज्ञान, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरताः ब्रेल लिपि दृष्टिबाधित लोगों के लिए ज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण दरवाजा है। इसके बिना उनके लिए किताबें पढ़ना, स्कूल जाना या कंप्यूटर इस्तेमाल करना बहुत मुश्किल होता। जबकि इसके माध्यम से वे पढ़-लिखकर शिक्षक, तकनीक विशेषज्ञ, कलाकार आदि जो चाहे बन सकते हैं और समाज में कंधे से कंधा मिलाकर चल सकते हैं। ऐसे अनेक दृष्टिबाधित सफल लोगों के उदाहरण हमें देखने-सुनने को मिलते रहते हैं।

आसान हुआ दैनिक जीवनः बैंक नोटों पर उभरे हुए प्रतीकों के रूप में ब्रेल लिपि का इस्तेमाल किया जाता है। दवाइयों के लेबल पर और सार्वजनिक स्थानों पर दिशा बताने वाले संकेतों पर भी ब्रेल लिपि उभरी होती है। आजकल रेलवे टिकट पर भी कई जगह ब्रेल लिपि दी जाती है। ब्रेल लिपि के इस तरह के इस्तेमाल से दृष्टिबाधित लोगों का जीवन बहुत हद तक आसान हुआ है। दृष्टिबाधित लोगों के लिए कुछ और भी उपकरण उपलब्ध हैं, जिनसे उनको पढ़ने में सुविधा होती है।

रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्लेः ये छोटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होते हैं, जिनमें पिनों की पंक्तियां होती हैं, जो ऊपर-नीचे होकर ब्रेल के बिंदु बनाती हैं। जब आप कंप्यूटर, फोन या टैबलेट से कनेक्ट करते हैं, तो यह डिजिटल टेक्स्ट को तुरंत ब्रेल में दिखाता है, और आप एक बटन दबाकर अगली लाइन पर जा सकते हैं।

ब्रेल ई-रीडरः ये विशेष उपकरण होते हैं जो सीधे डिजिटल ब्रेल किताबें (ऑनलाइन लाइब्रेरी से डाउनलोड की गई) पढ़ सकते हैं। इनमें नोट्स लेने, कैलकुलेटर और फाइल मैनेजर जैसे इन बिल्ट फीचर्स भी हो सकते हैं, जो इन्हें पोर्टेबल बनाते हैं।

ब्रेल नोट टेकरः ये छोटे पोर्टेबल डिवाइस होते हैं जिनमें ब्रेल की-बोर्ड और डिस्प्ले होता है। ये नोट्स लेने, कैलेंडर और ईमेल जैसी सुविधाओं के साथ आते हैं और वाई-फाई के जरिए क्लाउड से जुड़ सकते हैं। *

बहुत सुविधाजनक है डिजिटल ब्रेल

डिजिटल ब्रेल, दृष्टिबाधित लोगों के लिए ब्रेल लिपि को इलेक्ट्रॉनिक रूप में पढ़ने और लिखने का एक आधुनिक तरीका है। यह रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्ले और ब्रेल ई-रीडर जैसे उपकरणों के माध्यम से संभव होता है, जो डिजिटल टेक्स्ट (जैसे कंप्यूटर, स्मार्टफोन, टैबलेट से) को पिन की मदद से उभरे हुए ब्रेल अक्षरों में बदलते हैं। इस तरह वे ऑनलाइन जानकारी, किताबें और दस्तावेज आसानी से एक्सेस कर पाते हैं और इससे उन्हें शिक्षा और अपने काम में बहुत मदद मिलती है।

सिने ट्रेंड-2026
अशोक जोशी

हालांकि बीता साल बॉलीवुड के लिए बहुत अच्छा नहीं रहा। लेकिन इस साल कई ऐसी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिनसे बड़ी उम्मीदें हैं। यह देखना रोचक होगा कि इस साल कौन-कौन सी फिल्में दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरेंगी।

बॉलीवुड के लिए बहुत उम्मीदों भरा है यह साल

बॉलीवुड में हर साल बड़ी संख्या में फिल्में रिलीज होती हैं। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो रिलीज फिल्मों में से कुछ ही फिल्मों को बड़ी सफलता मिल पाती है। अब पिछले साल प्रदर्शित फिल्मों पर नजर दौड़ाएं तो 'सैयारा', 'छावा' और 'धुरंधर' जैसी कुछ फिल्में ही बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाने में कामयाब हो सकीं। पिछले साल रिलीज्ड और सक्सेसफुल फिल्मों के बीच बड़ा अंतर होने के बावजूद निर्माताओं को इस साल अपनी फिल्मों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

रिलीज होंगी बिग स्टार्स की फिल्में: नए साल में बिग स्टार्स की कुछ धमाकेदार फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। सनी देओल, धर्मेंद्र दोनों अलग-अलग फिल्मों में नजर आएंगे। साथ ही प्रभास के साथ संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं। वहीं दूसरी तरफ एक और जोड़ी है जिसकी फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और वो हैं थलापति विजय और बॉबी देओल।

साल की शुरुआत 'इक्कीस' सेः 'इक्कीस' फिल्म में धर्मेंद्र आखिरी बार नजर आए हैं। उनका बीते नवंबर निधन हो गया था। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में हैं। साल के पहले ही दिन रिलीज हो चुकी इस फिल्म के प्रचार में धर्मेंद्र को हाईलाइट किया गया है। 'इक्कीस' में जयदीप अहलावत, सिकंदर खेर, विवान शाह भी नजर आ रहे हैं। फिल्म को डायरेक्ट किया है श्रीराम राघवन ने।

इन साउथ-सुपर स्टार्स की फिल्मों में होगा क्लैशः इसी सप्ताह शुक्रवार यानी 9 जनवरी को साउथ के दो बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में रिलीज हो रही हैं। इस दिन जहां एक ओर 'बाहुबली' फेम प्रभास की 'राजा साब' रिलीज होने वाली है, जिसमें उनके साथ संजय दत्त, मालविका मोहनन, जरीना बहाव, बोमन ईरानी, निधि अग्रवाल, कियारा आडवाणी जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। दूसरी तरफ 9 जनवरी को ही साउथ के एक और सुपरस्टार थलापति विजय की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जन नायकन' रिलीज होगी। यह विजय के फिल्मी करियर की आखिरी फिल्म होगी। इसके बाद वह अपना पूरा समय राजनीति में देंगे। इस फिल्म में विजय के साथ बॉबी देओल और पूजा हेगड़े भी दिखेंगे।

आएंगे कई सुपरहिट फिल्मों के सीक्वलः किसी भी सुपरहिट फिल्म के सीक्वल को प्रायः सफलता की गारंटी माना जाता है। इस साल भी कई सफल फिल्मों के सीक्वल सिने प्रेमियों को देखने को मिलेंगे। जेपी दत्ता की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल 'बॉर्डर 2' इसी महीने 23 जनवरी को रिलीज हो रहा है। फिल्म की मुख्य भूमिकाओं में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी नजर आने वाले हैं। बीते दिनों सनी देओल की 'गदर 2' ने खूब कमाई की थी। कुछ ऐसी ही उम्मीद 'बॉर्डर 2' से भी की जा रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी 'बॉर्डर 2' की कहानी दर्शकों को थिएटर तक खींच पाती है या नहीं? आदित्य धर निर्देशित 'धुरंधर' का सीक्वल 'धुरंधर 2' 19 मार्च को बड़े पर्दे पर आएगी।

इसी साल सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' का भी सीक्वल 'एनिमल पार्क' रिलीज होने जा रही है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। 'एनिमल' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में दिखाई गई कहानी को आगे बढ़ाते हुए 'एनिमल पार्क' में और भी ज्यादा थ्रिल और इमोशन दिखाए जाने की उम्मीद है।

इन फिल्मों से भी हैं बड़ी उम्मीदें: इस साल रिलीज होने वाली संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' से भी काफी उम्मीदें हैं। फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल लीड रोल में हैं। फिल्म 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी देओल और यश की मुख्य भूमिका वाली बिग बजट फिल्म 'रामायण' का भी इस साल दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहेगा। दो पार्ट में रिलीज होने वाली 'रामायण' का पहला पार्ट इसी साल दिवाली पर रिलीज होने की उम्मीद है। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, सनी देओल हनुमान जी और यश रावण की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

आएंगी सलमान-शाहरुख की फिल्में: इस वर्ष लगभग तीन साल बाद शाहरुख खान अपनी अगली फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। सिद्धार्थ आनंद निर्देशित 'किंग' में शाहरुख अपनी बेटी सुहाना के साथ पहली बार दिखेंगे। इसके अलावा सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान' 2020 में भारत और चीन के बीच हुए गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित फिल्म है। अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म को सलमान खान फिल्म्स बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है। फिल्म का टीजर रिलीज होने के बाद से दर्शकों में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। *